RNINo.UPHIN/2016/70293

हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

अमिट रेखा

वर्ष 05 | अंक 191 | कुशीनगर | बुधवार 12 मई, 2021 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1 रुपये

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर भारतीय वैज्ञानिकों को पीएम मोदी ने किया सलाम, कहा...

संकट में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

कोरोना की दूसरी लहर का सामना कर रहा भारत

बता दें कि एस वक्त कोरोना की दूसरी लहर का सामना कर रही है। पिछले 24 घंटों में 3,29,942 नए कोरोना के मामलों के साथ 3876 लोगों की मौत हो गई। मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान 3,56,082 संक्रमित स्वस्थ हो अस्पताल से डिस्चार्ज किए गए। वहीं इस अवधि में कोरोना वायरस की 25,03,756 वैक्सीन लोगों को लगाई गई। इसके बाद देश में अब तक कुल संक्रमितों का आंकड़ा 2,29,92,517 हो गया और मरने वालों की कुल संख्या 2,49,992 हो गई है।

(आंकड़े पिछले 24 घंटे में मौत के मामले में टॉप-10 देशों के हैं)

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देशभर में आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जा रहा है। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय वैज्ञानिकों को सलाम किया है। पीएम ने कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों ने किसी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति में डटकर मुकाबला किया है। पीएम ने कहा कि पिछले साल भी कोरोना की जंग में भारतीय वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बता दें कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 1998 में राजस्थान के पोखरण में आयोजित परमाणु परीक्षणों की वर्षगांठ का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2021 की थीम ष्सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी है। 11 कोरोना मरीजों की मौत, ब्ड जगनमोहन रेड्डी ने 10 लाख रुपये देने का किया एलान आंध्र प्रदेशरू समय पर ऑक्सीजन नहीं मिलने पर 11 कोरोना मरीजों की मौत, ब्ड जगनमोहन रेड्डी ने 10 लाख रुपये देने का किया एलान प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा, श्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर हम अपने वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकी के प्रति कड़ी मेहनत और दृढ़ता को सलाम करते हैं। श्हम गर्व के साथ 1998 के पोखरण टेस्ट को याद करते हैं, जिसने भारत के वैज्ञानिकों और तकनीकी प्रगति का प्रदर्शन कियाश। आगे पीएम ने कहा कि किसी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामने करते हुए हमारे वैज्ञानिकों ने कार्य किया। जानकारी के लिए बता दें कि वर्ष 1998 में आज के ही दिन पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण करने के बाद भारत यह उपलब्धि हासिल कर परमाणु क्लब में शामिल होने वाला छठा देश बना था। भारत ने आज ही के दिन स्वदेश निर्मित हंस–3 एयरक्राफ्ट और शॉर्ट–रेंज मिसाइल 'त्रिशूल' का भी सफल परीक्षण किया था, जो कि देश के लिए एक कीर्तिमान साबित हुआ। 1600 छोटी–बड़ी नदियों से समंदर में 80 फीसद प्लास्टिक जाता है। वहीं, कई छोटी नदियां प्रदूषण का बड़ा कारण हैं। कोरोना की दूसरी लहर का सामना कर रहा भारत बता दें कि एस वक्त कोरोना की दूसरी लहर का सामना कर रही है। पिछले 24 घंटों में 3,29,942 नए कोरोना के मामलों के साथ 3876 लोगों की मौत हो गई। मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान 3,56,082 संक्रमित स्वस्थ हो अस्पताल से डिस्चार्ज किए गए। वहीं इस अवधि में कोरोना वायरस की 25,03,756 वैक्सीन लोगों को लगाई गई। इसके बाद देश में अब तक कुल संक्रमितों का आंकड़ा 2,29,92,517 हो गया और मरने वालों की कुल संख्या 2,49,992 हो गई है।

प्रदेश में आज से शराब की दुकानें खुल गई। मदिरा प्रेमी बहुत दिनों से इस दिन का इंतजार कर रहे थे और वह दिन आ गया। जैसे ही शराब की दुकानें पखवारे भर बाद सुबह 10 बजे खुलीं तो मदिरा प्रेमी खरीदारी को टूट पड़े। क्या युवा और क्या बुजुर्ग, हर कोई बस शराब की खातिर ठेके पर कड़ी धूप में भी कतारबद्ध हो गया।

सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षा बलों ने मंगलवार को मुठभेड़ में लश्कर–ए–तैयबा की तीन आतंकियों को मार गिराया। जम्मू–कश्मीर पुलिस के आईजी विजय कुमार ने इस बात की जानकारी दी। अनंतनाग मुठभेड़ को लेकर आईजी कश्मीर ने बताया था कि आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा के तीन दहशतगर्दों को सुरक्षाबलों ने घेर रखा है। जिले के कोकरनाग इलाके में आतंकी गतिविधि की सूचना मिली थी। इसी के आधार पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। घेरा सख्त होता देख छिपे हुए आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला और तीन आतंकियों को मार गिराने में सफलता पाई। फिलहाल ऑपरेशन जारी है। इससे पहले उपजिला की पतराडा पंचायत के जंगलों में लोगों ने रविवार देर शाम को कुछ संदिग्धों को देखा था। इस पर पुलिस और सेना ने तलाशी अभियान चलाया था। हालांकि दिनभर चले इस अभियान में सुरक्षाबलों को सफलता नहीं मिली। पुलिस के अनुसार गांव पतराडा के कुछ लोगों ने पुलिस को बताया कि पतराडा के जंगलों में रविवार देर शाम कुछ संदिग्ध व्यक्ति जंगल में घूमते दिखाई दिए थे। पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया और सेना को साथ लेकर सोमवार सुबह पतराडा के जंगलों के घेरकर तलाशी अभियान चलाया। दिन भर चले अभियान के बाद जब कुछ भी हाथ नहीं लगा तो अभियान रोक दिया गया।

नड्डा ने लिखा सोनिया को पत्र

लोगों को गुमराह करने का लगाया आरोप

नयी दिल्ली ,11 मई (आरएनएस)। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने आज कांग्रेस पर कोविड–19 के खिलाफ जारी देश की लड़ाई में लोगों को श्गुमराहय्य करने और भय का श्झूठा माहौलय्य पैदा करने का आरोप लगाया और कहा कि संकट के इस दौर में राहुल गांधी सहित उसके नेताओं के व्यवहार को छल कपट और ओछेपन के लिए याद किया जाएगा। नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे चार पन्नों के एक पत्र में यह आरोप

लगाए हैं। सोमवार को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई थी जिसमें कोविड–19 प्रबंधन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आड़े हाथों लिया गया था। भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों सहित पार्टी के अन्य नेताओं पर टीकों को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह स्थिति ऐसे समय में पैदा की गई जब देश संकट से जूझ रहा है और वह भी सदियों में एक बार आने वाली महामारी से। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विज्ञान में अटूट विश्वास, नवोन्मेष को समर्थन, सहकारी संघवाद के साथ वैश्विक महामारी से निपटा जा रहा है। नड्डा ने कहा कि वह संकट के इस काल में कांग्रेस के रवैये से दुखी हैं लेकिन आश्चर्यचकित नहीं हैं।

महंगाई से राहत नहीं

राजस्थान में 103 रुपए पर पहुंचा पेट्रोल, चुनाव खत्म होने के बाद फिर महंगे होने लगे हैं पेट्रोल–डीजल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पेट्रोल–डीजल के दामों में लगी आग थमने का नाम ही नहीं ले रही है। सरकारी तेल कंपनियों ने आज फिर पेट्रोल–डीजल के दाम बढ़ाए हैं। मंगलवार को दिल्ली में पेट्रोल 27 पैसे महंगा होकर 91.80 और डीजल 30 पैसे महंगा होकर 82.36 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। राजस्थान में पेट्रोल 103 रुपए प्रति लीटर के करीब है जो अब जक का सबसे महंगा है। छह दिनों में ही पेट्रोल 1. 47 और डीजल 1.63 रुपए महंगा हुआ पिछले दो महीने से देश के 5 राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने के कारण इनके दामों में बढ़ोतरी नहीं की गई लेकिन 2 मई को चुनाव परिणाम आने के बाद से ही इनके दाम फिर बढ़ने लगे हैं। चुनाव के बाद 6 दिनों में ही दिन में पेट्रोल 1.47 और डीजल 1.63 रुपए महंगा हुआ है। 4 मई से लेकर अब तक पेट्रोल–डीजल के दाम 6 बार बढ़े हैं। इस साल में अब तक 32 बार बढ़े और 4 बार कम हुए दाम इस साल पेट्रोल–डीजल के दाम जनवरी में 10 बार और फरवरी में 16 बार बढ़े। वहीं मार्च महीने में 3 बार और अप्रैल में 1 बार पेट्रोल–डीजल के दाम में कमी आई है। इस महीने अब तक 6 बार पेट्रोल–डीजल के दाम बढ़े हैं। टैक्स के बाद 3 गुना महंगा हो जाता है पेट्रोल–डीजल

पेट्रोल–डीजल का बेस प्राइज पर जो अभी 32 रुपए के करीब है, इस पर केंद्र सरकार 33 रुपए एक्साइज ड्यूटी वसूल रही है। इसके बाद राज्य सरकारें इस पर अपने हिसाब से वैट और सेस वसूलती हैं, जिसके बाद इनका दाम बेस प्राइज से 3 गुना तक बढ़ गया है। ऐसे में बिना टैक्स में राहत दिए पेट्रोल के दाम कम कर पाना मुमकिन नहीं है। मोदी सरकार ने बीते 7 सालों में नहीं दिया सस्ते कच्चे तेल का फायदा आपको तो पता ही होगा कि पेट्रोल–डीजल कच्चे तेल से बनता है। और कच्चे तेल के दामों का असर पेट्रोल–डीजल कीमतों पर सीधे तौर पर पड़ता है।

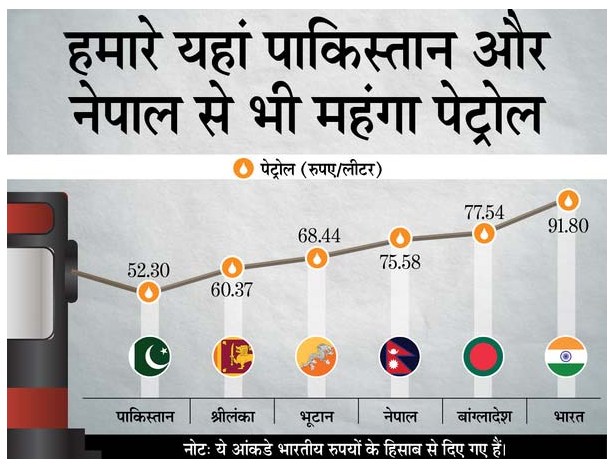

गुलाबी चश्मा उतारिए प्रधानमंत्री: राहुल गांधी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में कोरोना महामारी की गंभीर स्थिति को लेकर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनको अपने उस गुलाबी चश्मे को उतारना चाहिए जिससे 'सेंट्रल विस्टा' परियोजना के अलावा कुछ और नहीं दिखाई देता। उन्होंने ट्वीट किया, ''नदियों में बहते शव, अस्पतालों में लंबी लाइनें , जीवन सुरक्षा का छीना हुआ हक! प्रधानमंत्री, वो गुलाबी चश्में उतारिए जिससे सेंट्रल विस्टा के सिवा कुछ दिखता ही नहीं।'' राहुल गांधी ने लोगों का आह्वान किया कि वे कोरोना महामारी के इस मुश्किल समय में एक दूसरे की मदद करें। उन्होंने कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत

करने के मकसद से चलाए गए सोशल मीडिया अभियान 'स्पीकअप टू सेव लाइव्स' के तहत लोगों से इस वक्त एकजुट होने की अपील की। कांग्रेस नेता ने एक मिनट का वीडियो साझा किया जिसमें दिखाया गया है कि ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, आईसीयू बेड और टीके की कमी है तथा लोग इनके लिए संघर्ष कर रहे हैं। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''हमारे देश को इस मुश्किल समय में मददगार हाथों की जरूरत है।चलिए, हम लोगों का जीवन बचाने के लिए अपने हिस्से का योगदान दें। इस अभियान से जुड़िए और कोरोना के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करिए।''

केंद्र सरकार का फैसला, 'कोविशील्ड' की 50 लाख डोज यूके सप्लाई पर लगी रोक

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देशभर में इन दिनों कोराना वैक्सीन की भारी किल्लत है। इसके बावजूद सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कोविशील्ड वैक्सीन की 50 लाख डोज ब्रिटेन को निर्यात करना चाहता था। इसको लेकर कंपनी ने सरकार से कई राउंड की बातचीत की, लेकिन सरकार ने यूके के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। कंपनी की दलील थी कि ब्रिटेन के साथ वैक्सीन देने को लेकर पहले ही समझौता हुआ था। भारत सरकार ने वैक्सीन की कमी का हवाला देते हुए यूके के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। लोकल लेवल पर सप्लाई की कमी के चलते ये फैसला लिया है और कंपनी से पहले लोकल वैक्सीन सप्लाई को बेहतर करने को कहा है। साथ ही राज्यों को स्थानीय स्तर पर वैक्सीन की कमी को पूरा करने के लिए सीरम इंस्टीट्यूट से संपर्क करने को कहा गया है। सरकार ने देश में 1 मई से 18 प्लस का वैक्सीनेशन शुरू किया है। हालांकि अभी ये देश के सभी राज्यों में शुरू नहीं हो पाया है।राज्यों में सप्लाई की कमी देखी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, निजी अस्पताल में वैक्सीन के लिए कंपनी से संपर्क कर सकते हैं। मंत्रालय ने राज्यों से कंपनी से संपर्क करने और जल्द से जल्द वैक्सीनेशन को तेजी देने के लिए कहा है। यूके एक्सपोर्ट के लिए तैयार की गई वैक्सीन की डोज के लेबल को बदलना पड़ सकता है, क्योंकि ये वहां के मुताबिक पैक किए गए गए थे, लेकिन अब लोकल मार्केट में सप्लाई के मुताबिक उन्हें नए लेबल की जरूरत होगी।

गाजीपुर के गंगा घाट पर भी पानी में तैरती मिली कई लाशें

बक्सर,(एजेंसी)। बिहार के बक्सर जिले के चौसा प्रखंड में गंगा के तट पर सोमवार को 40–50 शव फूले हुए पानी में तैरते हुए मिले। यह दृश्य काफी भयानक था। अब ये स्थिति उत्तर प्रदेश के गाजिपुर में भी देखी गयी। उत्तर प्रदेश के गाजिपुर जिले में नदी के तट पर दिल दहरा देने वाला दृश्य दिखाई दिया। गाजिपुर में के घाट पर पानी में दर्जनों शव तैरते दिखें। गाजीपुर के जिलाधिकारी एमपी सिंह ने कहा कि शव कहां से आए हैं, इसका पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। गाजीपुर के डीएम एमपी सिंह ने कहा, हमें जानकारी मिली, हमारे अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और एक जांच जारी है। हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे कहां से आए थे। शवों पर कोविड –19 रोगियों के होने का संदेह है, जिन्हें नदी में फेंक दिया गया था, जिससे भारत में कोविड के आपातकाल के पैमाने का पता चलता है। बिहार के बक्सर में, दर्जनों शव, सभी विघटित, गंगा के तट पर बह गए, स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

कोरोना से बचाव के लिए संक्रमण मुक्त अभियान चला रहे किसान, प्रदर्शनकारियों को दे रहे काढ़ा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली के टीकरी और सिंघू बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसान जानलेवा कोरोना वायरस से बचाव के लिए संक्रमण मुक्त अभियान चला रहे हैं और लंगर के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने वाला काढ़ा दे रहे हैं। दिल्ली में सोमवार को कोरोना वायरस से 319 लोगों की मौत हुई थी और 12651 नए मामले आए थे तथा संक्रमण दर 19.10 प्रतिशत हो गई है। भारतीय किसान यूनियन (एकता उगराहां) के रूप सिंह ने मंगलवार को कहा, " हमने टीकरी बॉर्डर पर 17 किलोमीटर लंबे प्रदर्शन स्थल को संक्रमण मुक्त किया है। हम इसे आने वाले दिनों में फिर से संक्रमण मुक्त करेंगे। हम कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सभी निवारक उपाय कर रहे हैं, जिसमें प्रदर्शनकारी किसानों को मास्क और सैनेटाइजर बांटना शामिल हैं।" सिंह ने दावा किया कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में किसानों को सरकार से कोई समर्थन नहीं मिला है और टीकरी बॉर्डर पर वायरस के प्रसार को रोकने के लिए किए गए सभी उपाय उन्होंने खुद किए हैं। हजारों किसान छह महीने से दिल्ली के सिंघू, टीकरी और गाजीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनमें अधिकतर पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान शामिल हैं। उनकी मांग है कि केंद्र सरकार पिछले साल सितंबर में बनाए गए तीन कृषि कानूनों को निरस्त करे। किसान नेता अभिमन्यु कोहर के मुताबिक, सिंघू बॉर्डर पर हर लंगर को नियमित रूप से संक्रमण मुक्त किया जा रहा है।

दोस्त अब थकने लगे हे.....

साथ साथ जो खेले थे बचपन में
वो सब दोस्त अब थकने लगे है

किसी का पेट निकल आया है
तो किसी के बाल पकने लगे है

सब पर भारी जिम्मेदारीया है
सबको छोटी मोटी कोई बीमारी है

दिन भर जो भागते दौड़ते थे
वो अब चलते चलते भी रुकने लगे है

उफ क्या कयामत हैं
सब दोस्त थकने लगे है

किसी को लोन की फिक्र है
कहीं हेल्थ टेस्ट का जिक्र है

फुर्सत की सब को कमी है
आँखों में अजीब सी नमीं है

कल जो प्यार के खत लिखते थे
आज बीमे के फार्म भरने में लगे है

उफ क्या कयामत हैं
सब दोस्त थकने लगे है

देख कर पुरानी तस्वीरें
आज जी भर आता है

क्या अजीब से है ये वक्त भी
किस तरह ये गुजर जाता है

कल का जवान दोस्त मेरा
आज अधेड़ नजर आता है

कल के ख्वाब सजाते थे जो कभी
आज गुजरे दिनों में खोने लगे है

उफ क्या कयामत हैं
सब दोस्त थकने लगे है ।

विकास तिवारी - अमिट रेखा संवाददाता

नव निर्वाचित ग्राम प्रधान ने किया जनता से वादा

- जनता के विश्वास पर खरा उतरना मेरी पहली प्राथमिकता

अमिट रेखा – अब्दुल आजम

गौरी श्रीराम– कुशीनगर। जनपद के विकास खंड दुदही के ग्राम पंचायत बातरौली ध ुरखडवा के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान झुन खुना देवी ने प्रेस वार्ता में कहा कि गांव का विकास मेरी पहली प्राथमिकता होगी तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों दिलवाना मेरा हर सम्भव प्रयास रहेगा। इससे कोई गरीब या पात्र व्यक्ति वंचित न रहे इसका ध्यान रखूंगास और सदैव गरीबों की हर संभव मदद का आश्वासन दिये गए। आगे झून खुना देवी और भूतपूर्व प्रध ाान रहे आबिद अली ने कहा कि यह जीत हमारी जीत नहीं बल्कि सभी ग्रामवासियों की जीत है सयह जीत समस्त ग्रामवासियों के दुआ आशीर्वाद और प्यार स्नेह का परिणाम है। आज मैं बेहद खुश हूं कि बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद के कारण ग्रामसभा को संचालित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है सउन्होंने कहा कि चुनाव में किए गए हर वायदे को पूरा करने का प्रयास करुंगाध करूंगी और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करुंगा। इंदिरा आवास योजना प्रधानमंत्री आवास योजना बृध्दा पेंशन विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन योजना शौचालय जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के साथ ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त कर हर व्यक्ति को इसका लाभ दे ने का प्रयास करुंगास संक्रामक रोगों से लोगों को बचाने के लिए गांव में समय समय पर दवा का छिड़काव कराकर और साफ सफाई कराकर लोगों को बिमारियों से बचाने का प्रयास करूंगा/करूंगी। नवनिर्वाचित प्रधान ने आगे कहा कि गांव के किसी भी व्यक्ति को कोई भी समस्या हो एक बार हमें अवगत अवश्य कराएं समस्या का समाध ाान करने का प्रयास करुंगाध करूंगी। अंत में उन्होंने कहा कि कोरोना बिमारी से घबराने की जरूरत नहीं है। बल्कि उसका सामना करें हौसला रखेंस बिना आवश्यक काम के घर से बाहर न निकलें हमेशा मास्क का प्रयोग करें, साबुन से हाथ ध ोएं सभीड़ वाली जगहों पर जाने से बचें और कोरोना प्रोटोकॉल दो गज की दूरी मास्क है जरूरी के नियमों का पालन करें।

ग्राम सभा बैकुंठपुर का विकास कराना ही हमारा लक्ष्य:मु 0 नूर आलम अंसारी

अमिट रेखा – अरविंद कुमार तर्कशील

जगंल नौगांवा – कुशीनगर। जनपद के दुदही विकास खंड के ग्राम पंचायत बैकुंठपुर कोठी से नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान मुहम्द नूर आलम असारी ने 791मत पाकर विजय प्राप्त किया वहीं विपक्ष में रहे हरीलाल मदेशिया ने 615मत प्राप्त हुआ।मात्र 176वोट से जीत प्राप्त हुआ । वही मुहम्मद नुर आलम ने बताया कि गांव के लोगों ने हमें प्रधान बनाया हैं।जिसे अपने ग्राम पंचायत मे विकास कराना हमारा लक्ष्य है । हमे गांव को विकास कराने का लक्ष्य प्राप्त हुआ ।और कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ हर पात्र को दिलवाना हमारी प्राथमिकता होगी अमित रेखा प्रतिनिधि को एक भेंटवार्ता में मुहम्मद नूर आलम जी ने कहां की कोरोना महामारी से गांव को बचाना भी हमारी प्राथमिकता में है उन्होंने कहा वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते हालांकि संपूर्ण लॉकडाउन का फैसला भी सरकार ने नहीं किया है लेकिन संक्रमण की चौन को तोड़ने के लिए सरकार धीरे–धीरे कदम उसी दिशा में बढ़ा रही है पंचायत चुनाव के बाद गांव में तेजी से फैल रहे संक्रमण और 14 मई को ईद के त्यौहार को देखते हुए यूपी की जो भी सरकार ने फिलहाल कोई भी खतरा मोल ना लेते हुए लाकडाउन को 1 हफ्ते के लिए फिर बढ़ाने का फैसला किया है 29 अप्रैल को शनिवार रविवार की सप्ताहिक बंदी से इसकी शुरुआत हुई फिर इसे 4 मई 6 मई और 10 मई यानि सोमवार तक बढ़ाया गया अब योगी सरकार ने फिर से कोरोना कर्फ्यू 17 मई सुबह 7 बजे तक बढ़ा दिया है प्रदेश में पांचवीं बार कोरैना कर्फ्यू को विस्तार दिया गया है।

लौटे दिन बहार के,दारू की दुकान खुले,पियक्कड़ों की उमडी भीड

अमिट रेखा देवरिया। काफी लंबे जद्दोजहद के बाद सरकार ने लाकडाउन मे छूट देते हुए शराब की दुकानों को खोल दिया है।त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मे डूब कर पीने वालों के अरमान लाक डाउन मे मसल उठे थे नतीजतन मुंह मांगी कीमत पर दारू खरीदने के लिए कहीं भी जाने को तैयार थे।इध ार दारू की दुकान खोले ठीकेदारों और मुंशियों को भी अच्छा दांव मिल गया था।दुकान से दूर किसी भरोसेमंद जगह पर दारू की पेटी रखवाकर मुंहमांगे रेट पर बेंच रहे थे।काफी सावधानी से चल रहे काम मे भी चढावा शामिल था। पथरा बाजार मे गोल्हौरा से आए 02बाइक वाले पूछने लगे कि यहां कहां मिल रहा है।हमारे यहां के लोग यहां से लेकर जा रहे हैं।दारू की दुकानों से प्रतिबंध हटने की बात सुनते ही दुकानों के आगे लम्बी भीड जुटना शुरू हो गया है।कुछ लोग भविष्य की आशंकाओं से डर कर पूरे खानदान को लाइन मे खडा कर दिए हैं तौ कुछ लोग कईनिठल्लों को भी लाइन मे लगवाकर कई दिनों का इंतजाम कर रहे हैं।इस बारे मे आबकारी इंस्पेक्टर बांसी जानकारी देते हुए बताया कि देशी दारू प्रति व्यक्ति एक बार मे 05 शीशी और इंग्लिश शराब 750 एमएल ही ले पाएगा।एक तरफ अति आवश्यक वस्तुओं को छोडकर अन्य सामानों की दुकानें बंद हैं जो खुली हैं उनमे प्रयाप्त सुरक्षा का भय दिखलाया गया है दूसरी तरफ बिना सोशल डिस्टेंसिंग और सुरक्षा के दारू दुकानों के आगे लगी लाइन व्यवस्था का पोल खोल रहा है।

कानूनी कार्यवाही में मईल थाना फेल:चर्चा

आपसी विवाद को लेकर दबंगो ने महिला समेत परिवार को पीटा

अमिट रेखा देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद का मईल थाना क्षेत्र जहा के मईल गांव में किसी बात को लेकर दबंगो ने सरोज देवी को जम कर मारा पीटा, वही परिजन जब बीच बचाव करने पहुँचे तो दबंगो ने उनको भी जम कर मारा पीटा । गंभीर रूप से घायल सरोज देवी को आनन फानन में इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया । इस पूरी घटना का किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया । पीड़ित परिवार लगातार मईल थाने का चक्कर लगा रहे है लेकिन अभी तक उनकी कोई सुनवाई नही हुई । वही पीड़िता अपने व अपने परिवार के जान माल की गुहार लगाती नजर आ रही है । इस बीच कानूनी कार्यवाही में प्रशासन व थानेदार फेल चल रहे है जिसकी चर्चा ग्रामीणों में तेज हो गई है।

कोविड की संभावित तीसरी लहर के ष्टिगत सभी तैयारियों को अभी से पूर्ण किये जाने का डीएम ने दिया है निर्देश

- सीएमओ की अध्यक्षता में गठित की है टास्क फोर्स

- संसाधनो आदि की उपलब्धताओं हेतु औचित्यपूर्ण प्रस्ताव 7 दिन के अन्दर प्रस्तुत किये जाने का दिया है निर्देश

अमिटरेखा देवरिया ब्यूरो जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने कोविड की संभावित तीसरी लहर में बच्चो के प्रभावित होने की संभावना के दृष्टिगत मुख्य चिकित्साधिकारी को आवश्यक तैयारियोंध्व्यवस्थाओं को वृहद कार्य योजना बनाते हुए उसे सुदृढ किये जाने का निर्देश दिया है। इसके लिये उन्होने सीएमओ की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स भी गठित की है, जिसके नोडल अधिकारी आरसीएच एवं जिला प्रतिरक्षण अधिकारी भी सदस्य होगें। इसमें अन्य विशेषज्ञों को भी सम्मिलित किये जाने हेतु सीएमओ स्वतंत्र होगें। यह टास्क फोर्स विलम्बतम एक पक्ष में विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर उसे मेरे समक्ष प्रस्तुत करेगें। उन्होने इस आदेश का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किये जाने का भी निर्देश दिया है। जिलाधिकारी श्री निरंजन ने इस संबंध में दिये गये निर्देशों के क्रम में कहा है कि जनपद में स्थापित PICU एवं Mini PICU वार्डो में उपलब्ध तकनीकी उपकरणो की अद्यतन उपलब्धता एवं क्रियाशीलता की स्थिति को सूचीबद्ध किया जाये। वास्तविक एवं आवश्यक गैप की पूर्ति हेतु औचित्य पूर्ण प्रस्ताव विलम्बतम 7 दिन में उसे प्रस्तुत करेगें। प्रत्येक ब्लाक पर उपलब्ध मानव संसाधन इत्यादि की उपलब्धता की भी जानकारी कर ली जाये एवं गैप की पूर्ति हेतु औचित्यपूर्ण प्रस्ताव भी निध ार्रित उक्त दिवस के अन्दर विलम्बतम प्रस्तुत किये जाये। उन्होने कहा है कि हर हाल में संभावित तीसरी लहर को नियंत्रित किये जाने हेतु सभी तैयारियां आवश्यकतओं के अनुरुप पूर्ण होनी हचाहिये। इसमें किसी प्रकार की कोई कोताही न हो यह अभी से सुनिश्चित कर लिया जाये।

आंधी पानी से सैकड़ों पेड़ गिरे

अमिट रेखा दिनेश गुप्ता तहसील प्रभारी

देवरिया। खुखुन्दू थाना क्षेत्र अंतर्गत आई आधी पानी से सैकड़ों पेड गिर गये। घंटों रास्ते बंद रहे, ग्रामीणों के सहयोग से रास्तों को खाली कराया गयास रास्ते के जाम को खाली करने में ग्रामीणों का अहम भूमिका रही, पेड़ों के गिरने से बिजली के खंभे व तार भी गिर गए जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित रही। रविवार की रात जनपद में आई भयंकर आंधी और पानी से सैकड़ों पेड़ सड़कों पर गिर गये। खुखुन्द्दू थाना क्षेत्र के अंतर्गत खुखुन्द्दू बाजार से नूनखार तक चार किलोमीटर की दूरी में आधा दर्जन पेड गिरने से खुखुन्द्दू नूनखर मार्ग घंटो जाम रहा। ग्रामीणों के सहयोग से रास्ते से पेड को काटकर हटाया गयास पेड़ों के गिरने से बिजली के खंभे व तार टूट कर गिर गएस जिससे सोमवार के दिन दिन भर विद्युत आपूर्ति ठप रहीस गरीबों के आशियाने उड़ गए जो टेन्ट में रहते हैं। प्राप्त समाचार के अनुसार नूंनखार, सिसई, जैतपुरा, पडरी झिलीपार, कमहरिया, पडरी बाजार, खजूरी, खुखुन्द्दू, भटहर, मरहवा, मझवलिया, सझवलिया, परसिया मिश्र आदि गांव में पेड़ों के गिरने से भारी क्षति हुई हैस गरीब के कट्रेन व नट समूदाय का टेंट उजड़ गयास

तरकुलवा पुलिस ने लिया बैंको का जायजा।

अमिट रेखा

भोला यादव (विकास)। तरकुलवा देवरिया आज दिन मंगलवार को थानाध्यक्ष के निर्देश पर एस एस आई राध ोश्याम चौधरी ने अपने पुलिस फोर्स के साथ तरकुलवा बैंकों की सुरक्षा का जायजा लिया और वहां तैनात पुलिस कर्मियों से सुरक्षा की जानकारी भी ली।इस क्रम में भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा के अलावा क्षेत्र के अन्य बैंकों पर जाकर उपभोक्ताओं की सुरक्षा का एहसास भी दिलाया और साथ ही कोरोना महामारी को देखते हुए पुलिस टीम ने सोशल डिस्टेंस का पालन,मास्क, अनावश्यक लोग बैंक के आसपास मौजूद न रहे। सेनेटाइजर, उचित दुरी भी करने कि अपील की और समझाया भी। तरकुलवा पुलिस प्रत्येक दिन बैंक चेकिंग सुरक्षा का जायजा तो ले ही रही है और साथ ही कोरोना महामारी के मद्देनजर बैंक उपभोक्ताओ को जागरूक भी कर रही है।इस दौरान आरक्षी राहुल, गोरखनाथ गोंड, अभिषेक यादव, राकेश यादव,पवन पाल, सुरेन्द्र प्रताप यादव,एचजी उमापति भट्ट, चन्द्रभान।

स्वास्थ्य केंद्र है या सरकार का ड्रामा:जनता

- दवा टिका व डॉक्टर के अनुपस्थिति में ग्रामीणों का बुरा हाल

राजू प्रसाद श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया ब्लाक पथरदेवा थाना क्षेत्र बघौचघाट के अंतर्गत नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बघौचघाट (सखिनी) में आज अस्पताल का बुरा हाल बना हुआ है आप सभी को बतादूँ की यहां आज कई हप्तों से फार्मासिस्ट , स्वीपर, डॉक्टर, इंचार्ज, गायब है । पहला टिकाकरण करने के पश्चात यहां दूसरा टिकाकरण तो दूर अस्पताल में ताला लटका हुआ है। ग्रामीण जनता यहां रोज कोरोना के दूसरे टिकाकरण का राह देख रही है। लगातार आ रहे कोरोना के चपेट से गांव के लोग संक्रमित हो रहे है। कई गांव के लोगो का विस्वास इस स्वास्थ्य केंद्र से जुड़ा हुआ है नजदीकी अस्पताल होने के कारण जीवन जीने की अधिक उमीद बनी रहती है परन्तु योगी सरकार में ऐसे बने स्वास्थ्य केंद्र भाजपा सरकार की पोल खोल रही है। शो पीस बना यह अस्पताल ग्रामीण जनता को खून की आँशु रोने पर मजबूर कर दिया है। इस सम्बंध में जब ग्रामीण जनता से पूछ– ताछ की गई तो लोगो ने बताया कि हास्पिटल बन्द है एवं डॉक्टरों की टीम देवरिया शहर के लोगो की देखरेख कर रही है। यहां सरकार को गाँव के किसान गरीब दलित की फिक्र रति भर नही है। गुसाई जनता सरकार के कार्यों को ड्रामा बता रही है।

ममता के मंत्रिमंडल में बेल्हा के क्रिकेटर मनोज तिवारी शामिल

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ के पट्टी तहसील के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी को ममता के मन्त्री मंडल में शामिल कर राज्यमंत्री बनाया , गांव में खुशी का माहौल एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। पट्टी तहसील के ब्लाक मंगरौरा अंतर्गत ग्राम सकरा निवासी मनोज तिवारी ने पश्चिम बंगाल चुनाव में हावड़ा के शिबपुर विधानसीट से जीत दर्ज करने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी रहे मनोज तिवारी ने ममता बैनर्जी के 43 मंत्रियों संघ शपथ ग्रहण की मंत्रिमंडल में शामिल करने पर उनके पैतृक गांव में खुशी का माहौल है। हालांकि मनोज तिवारी कई वर्ष से अपने गांव नहीं आए है, लेकिन ग्रामीण अब जल्द ही गांव आने की उम्मीद कर रहे हैं।

डिग्री कॉलेज के बड़े बाबू की कोरोना से मौत

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। पट्टी स्थित पीजी डिग्री कॉलेज के बड़े बाबू चुनाव ड्यूटी के दौरान करोना पाजिटिव हो गए थे इलाज के दौरान इनकी मौत हो गई घर पर मचा कोहराम। पीजी डिग्री कॉलेज पट्टी के अजीत मिश्रा निवासी खखरी की बाग ,होलागढ़ प्रयागराज इस समय बहेलियापुर ,पट्टी प्रताप गढ में अपना आवास बनाकर परिवार के साथ रहते थे पी जी डिग्री कॉलेज मे बड़े बाबू के पद पर कार्यरत थे चुनाव कराने सांडवा चंद्रिका ब्लॉक गए हुए थे इसी दौरान ये करोना पाजिटिव पाए गए तब से इनका इलाज नाव जीवन ज्योति हॉस्पिटल फाफामऊ प्रयागराज में चल रहा था बीते सोमवार को अचानक उनकी तबीयत और बिगड़ने लगी तब इन्हें बेली हॉस्पिटल प्रयागराज में भर्ती कराया गया जहां रात 1:00 बजे के आसपास इन्होंने अंतिम सांस ली । मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया तथा पीजी कॉलेज के प्राचार्य अग्रहरी ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अपने शोक संवेदना में कहा कि हमने आज एक स्तंभ को खो दिया जिससे भारी क्षति हुई।

ट्रक के चपेट मे आने से बहु की मौत ससुर गंभीर रूप से घायल

अमिट रेखा–सुगन्ध गुप्ता

बनकटा बजार – कुशीनगर। जनपद के पटहेरवा थाना क्षेत्र के फाजिलनगर– बघौचघाट रोड पर बड़हरा चौराहे पर ट्रक के चपेट में आने से स्कूटी से अपने ससुर को किसी कार्य लेकर लेकर जा रही बहू की मौके पर दर्दनाक मौत हो गयी जबकि ससुर भी गंभीर रूप से घायल हो गये। मौके पर पहुचीं पुलिस ने ससुर को हास्पिटल पहुचाते हुए महिला के शव को पीएम के लिये भेज दिया। तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के सोहंग निवासी त्रिवेणी सिंह की बहू गुड़िया सिंह उम्र 30 वर्ष मंगलवार को दिन के एक बजे बाइक पर बैठा कर किसी कार्य से बघौचघाट के तरफ जा रही थी। वह पटहेरवा थाना क्षेत्र के बड़हरा चौराहे के पास पहुचीं थी कि पीछे से आ रही केला लदी ट्रक ने जोर से ठोकर मार दिया जिससे वह ट्रक के नीचे आ गयी और मौके पर ही दम तोड़ दिया वही उसके ससुर त्रिवेणी सिंह उम्र 55 बर्ष भी गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद जब लोग वहां पहुँचते ट्रक चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया था। सूचना पर पहुचीं पुलिस ने परिजनों को सूचना देते हुए घायल को हास्पिटल भेजवाते हुए शव का पंचनामा तैयार कर पीएम के लिए भेज दिया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक पटहेरवा सुनील कुमार सिंह ने बताया कि शव को पीएम के लिये भेजने के बाद ट्रक के नम्बर से ट्रक मालिक का पता कराया जा रहा है तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही किया जायेगा।

चुनावी रंजिश के चलते हारे हुए प्रधान ने फोन पर जान से मारने की धमकी पर रिपोर्ट दर्ज

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के नेवादा गांव में प्रधानी के चुनाव रंजिश को लेकर हारे हुए प्रधान द्वारा एक व्यक्ति को फोन पर जान से मारने की धमकी दिया था जिस पर पुलिस ने एफ आई आर दर्ज की। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के नेवादा गांव निवासी नन्हे ने कोतवाल पट्टी को तहरीर देकर आरोपित किया है कि बीते रविवार की रात में गांव के हारे हुए प्रधान का भाई साबिद अली मुझे फोन करके जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि पूरा परिवार साफ कर दूंगा इस बात से भयभीत नन्हे ने धमकी भरे फोन रिकॉर्डिंग को कोतवाल नरेंद्र सिंह को दिखाया था पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज की।

उधारी मांगने गए दुकानदार को गाली व धमकी देकर भगाया

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। कोतवाली पट्टी क्षेत्र के किठौली जलालपुर गांव में एक दुकानदार जब उधारी मांगने गया उधारी लेने वाला व्यक्ति उधारी देने के बजाय गालियां देकर जान से मारने की धमकी दी। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के गांव किठौली जलालपुर निवासी संतोष कुमार तिवारी पुत्र हरि नारायण तिवारी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपित किया है कि मेरे गांव के अंकित पांडे जो मेरे किराने की दुकान से 2980 रुपया उधार सामान ले गए थे और अब तक पैसा नहीं दिए तो मैं इन से पैसा मांगने इनके घर गया तो मुझे पैसा देने से इनकार करते हुए भद्दी भद्दी गाली देकर कहा कि अब मांगने आओगे तुम्हें जान से मार दूंगा पुलिस मामले की जांच में जुटी।

टेंपो ने बाइक मे मारी टक्कर युवक की मौके पर ही मौत

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। थाना कन्धई के तेरह मील बाजार में बाइक सवार और टैंपू में टक्कर मौके पर बाइक सवार युवक की मौत दूसरा घायल मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा घायल को सीएचसी पट्टी इलाज के लिए लाया। थाना अन्तू गांव गड़वारा निवासी घ्मनीष मिश्रा 22घ्द पुत्र राज मणिध व आशीष तिवारी निवासी सराय नानकार थाना कंधई, मंगलवार सुबह करीब 10:00 बजे के आसपास बाइक से पट्टी हीरो एजेंसी पर आ रहे थे जैसे ही पट्टी प्रतापगढ़ रोड स्थित तेरह मील बाजार में पहुंचे थे इतने में प्रतापगढ़ की तरफ जा रही एक टेम्पू ने जोरदार टक्कर मारी जिससे मनीष गिर गया टैंपू उसे कुचलते हुए भाग निकली और आशीष को भी काफी चोटें आई घायल अवस्था में इन्हें सीएचसी पट्टी लाया गया, जबकि मनीष की मौत हो चुकी थी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया दुर्घटना करने वाली टेंपो अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर है।

बाल विवाह निषेध, करें सभी इसका पालन अन्यथा सजा एवं दण्ड का है प्राविधान

अमिटरेखा देवरिया ब्यूरो

जिला परिवीक्षा अधिकारी प्रभात कुमार ने निदेशक महिला कल्याण, विभाग के हवाले से बताया है कि जनपद में अक्षय तृतीया (14 मई 2021 को प्रस्तावित) के अवसर पर होने वाले सम्भावित बाल विवाह पर निगरानी बनाये रखने तथा उन्हें रोकने हेतु रणनीति तैयार कराते हुए आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश प्राप्त हुआ है। इस सम्बंध में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अन्तर्गत बाल विवाह होने पर 02 वर्ष की सजा अथवा 100000.00 रुपये का अर्थदण्ड अथवा दोनों का प्राविधान है। श्री कुमार ने सभी से अपेक्षा की है कि अक्षय तृतीया के अवसर पर सम्भावित बाल विवाहों पर निगरानी बनाये रखे तथा उन्हें रोकने हेतु रणनीति तैयार कराते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाये एवं इसकी सूचना निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह उपलब्ध कराये ताकि सम्बंधित सूचना निर्देशालय को प्रेषित किया जा सके।

घायल प्रधान पद प्रत्याशी की मौत पर भड़के ग्रामीण, लखनऊ–वाराणसी हाइवे किया जाम

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। लखनऊ–वाराणसी हाइवे पर ग्रामीणों ने हंगामा किया. 23 अप्रैल को प्रधान पद प्रत्याशी वरुण तिवारी को गोली मार दी गई थी. घायल वरुण तिवारी का कानपुर के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था. सोमवार को उनकी मौत के बाद लोग भड़क उठे। ऋवरुण तिवारी की मौत से गुस्साए लोगों ने लखनऊ–वाराणसी हाइवे को जाम कर दिया. जानकारी मिलने पर सीओ समेत सर्किल के सभी थानों की फोर्स मौके पर पहुंची. पुलिस को देख ग्रामीण और नाराज हो गये. उनकी सोओ के साथ नोक–झोंक भी हुई. मामला बढ़ता देख सीओ वहां से चले गए. प्रदर्शन कर रहे लोग गोली मारने के आरोपी महेंद्र वर्मा की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज थे. अब पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 24 घंटे की मोहलत मांग रही है।

कुचायकोट थाना क्षेत्र बलथरी चेक पोस्ट के समीप अंगूर से लदा ट्रक पलटा

अमिट रेखा – संतोष पाठक

कुचायकोट – गोपालगंज। गोपालगंज प्रखंड के बलथरी चेक पोस्ट पर एक अंगूर से लदा हुआ ट्रक पलट गया पर सौभाग्य से एक बड़ी दुर्घटना होते होते बच गई ।दरअसल यह घटना रात्रि 11 बजे के आसपास हुआ जिसमें ट्रक ड्राइवर को गाड़ी चलाते समय नींद आ गया जिसके बाद गाड़ी अनियंत्रित होते हुए जो पहले से वहां खड़ी एक बस और ट्रैक्टर के ऊपर पलट गई परंतु किस्मत अच्छी रही कि बस और ट्रैक्टर में कोई सवारी नहीं बैठा हुआ था अन्यथा कई बड़ी दुर्घटना हो जाती। इस ट्रक के पलट जाने से बस और ट्रैक्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं हालाकी ट्रक ड्राइवर को मामूली चोटें आई हैं जिनका उपचार किया जा रहा है परंतु बस और ट्रैक्टर पर किसी व्यक्ति के नहीं रहने से एक बड़ी दुर्घटना होते होते बच गई।

ग्राम पंचायत बैकुंठपुर कोठी में सफाई न होने की वजह से लगा हुआ था गंदगी का अंबार

अमिट रेखा – अरविंद कुमार तर्कशील

जंगल नौगांवा – कुशीनगर। जनपद के दुदही विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बैकुंठपुर कोठी में वर्षों से सफाई कर्मी के ना आने से सफाई न होने की वजह से गंदगी का अंबार लगा हुआ था जो नालीयों का पानी सड़कों पर बह रहा था ।जिसे संक्रमण बीमारी फैलने का आशंका बना हुआ था। मंगलवार के दिन ग्राम पंचायत सचिव ओमप्रकाश सिंह व नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान नूर आलम अंसारी ने अपने निजी पैसा लगाकर बैकुंठपुर कोठी में नालीयों की सफाई कराई। और कहा कि विकास करना हमारा दायित्व बनता है। लोगों ने हमें वोट देकर जिताया है ।जिसे हम सरकार का लाभ हर घर तक पहुंच जाएंगे।

खिलाड़ियों को इंग्लैंड ले जाने वाले चार्टर्ड प्लेन के कर्मचारी भी क्वारैंटाइन रहेंगे

मुंबई। ICC टेस्ट चौम्पियनशिप के फाइनल के लिए अब एक महीने से कुछ ज्यादा का वक्त ही बचा है। 18 से 22 जून तक इंग्लैंड के साउथैम्पटन में होने वाले खिताबी मुकाबले में भारत और न्यूजीलैंड की टीमें आमने–सामने होंगी। कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड के साथ–साथ प्ब्ब और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (म्ठ) ने खिलाड़ियों को सुरक्षित तरीके से ठहराने की तैयारी शुरू कर दी है। प्ब्स् से ले रहे हैं सबक कई खिलाड़ियों, कोच और सपोर्ट स्टाफ के पॉजिटिव आने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (प्ब्स्–2021) को 29 मैचों के बाद ही स्थगित करना पड़ गया। इससे सीख लेते हुए वर्ल्ड टेस्ट चौम्पियनशिप फाइनल के तमाम आयोजक और भागीदार अपनी ओर से कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। प्ब्ब ने ठब्ब और न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड को हिदायत दी है कि वे इंग्लैंड में कोरोना के प्रोटोकॉल नियमों का पालन सख्ती से करें। वहीं इंग्लैंड रवाना होने से पहले यह सुनिश्चित करें कि उनके किसी भी खिलाड़ी या सपोर्ट स्टाफ में में कोरोना के कोई लक्षण तो नहीं है। इसके लिए टेस्टिंग, आइसोलेशन सहित तमाम एहतियात बरतें । मुंबई में बनेगा बायो बबल यहां से सीधे इंग्लैंड के बबल में एंट्री करेगी टीम सूत्रों के मुताबिक ठब्ब ने इंग्लैंड रवानगी से पहले मुंबई में खिलाड़ियों को एकत्रित कर बायो बबल में रखने की योजना बनाई है। टीम के सभी खिलाड़ी, कोच और सपोर्ट स्टाफ 19 मई को मुंबई में एकत्रित होंगे। शुरुआत में किसी की एक–दूसरे से मुलाकात नहीं होगी और सब आइसोलेशन में रहेंगे। सात दिन के आइसोलेशन में हर दूसरे दिन सबकी कोरोना टेस्टिंग होगी। अगर कोई सदस्य पॉजिटिव पाया जाता है तो उसे क्वारैंटाइन कर दिया जाएगा। 7 दिन में तमाम रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही सभी खिलाड़ियों को एक जुट किया जाएगा। होटल स्टाफ, बस ड्राइवर एक सप्ताह पहले से रहेंगे।

हत्या के मामले में पहलवान की हे रही तलाश, भारतीय कुश्ती संघ ने दिया बड़ा बयान

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) हालांकि अब चिंतित हैं कि वर्षों में सुशील सहित अन्य पहलवानों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से खेल की जो प्रतिष्ठा बनाई है उसे नुकसान पहुंचा है।

नयी दिल्ली। सुशील कुमार जब अपने खेल के शीर्ष पर थे तो उन्होंने अकेले दम पर भारतीय कुश्ती को बुलंदियों पर पहुंचाया लेकिन अब जब पुलिस हत्या के मामले में जब उनकी तलाश कर रही है तो खेल की छवि को भी उतना ही नुकसान पहुंचा है जितना इस पहलवान की छवि को पहुंचा है। सुशील की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता ने खेल को नई बुलंदियों तक पहुंचाया और प्रेरणादायी विरासत तैयार की। बापरोला गांवका यह पहलवान इस खेल में अब तक भारत का एकमात्र विश्व चौंपियन (2010) है। वह एकमात्र भारतीय खिलाड़ी है जिसके नाम पर दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक दर्ज हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) हालांकि अब चिंतित हैं कि वर्षों में सुशील सहित अन्य पहलवानों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से खेल की जो प्रतिष्ठा बनाई है उसे नुकसान पहुंचा है। डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर ने पीटीआई से कहा, ''हां, मुझे यह कहना चाहिए कि इससे भारतीय कुश्ती की छवि को बेहद नुकसान पहुंचा है। लेकिन पहलवान मैट से बाहर क्या करते हैं इससे हमारा कोई लेना देना नहीं है। हम मैट पर उनके प्रदर्शन को लेकर चिंतित हैं।'' बीजिंग ओलंपिक 2008 में सुशील के कांस्य पदक के साथ भारत ने कुश्ती में ओलंपिक पदक के 56 साल के सूखे को खत्म किया था। सुशील की इस उपलब्धि से कुश्ती को काफी फायदा हुआ और इसके बाद भारत के लिए योगेश्वर दत्त, गीता, बबीता और विनेश फोगाट, रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक और विश्व चौंपियनशिप के पदक विजेताओं बजरंग पूनिया, रवि दाहिया और दीपक पूनिया ने शानदार प्रदर्शन किया। कुश्ती जगत हालांकि अब स्तब्ध है क्योंकि पुलिस ने सोमवार को सुशील के खिलाफ 'लुक आउट सर्कुलर' जारी कर दिया।

मुझे नहीं लगता कि भारत में इस साल फिर से आईपीएल हो पाएगा: जिम्मी नीशाम

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के आलराउंडर जिम्मी नीशाम को नहीं लगता कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाकी बचे 31 मैच इस साल भारत में हो पाएंगे। आईपीएल के जैव सुरक्षित वातावरण के अंदर कोविड–19 के मामले पाये जाने के बाद यह टूर्नामेंट स्थगित कर दिया गया था। नीशाम को इस साल के आखिर में टी20 विश्व कप के भारत में आयोजन को लेकर भी संदेह है। भारत अभी कोविड–19 की दूसरी लहर से जूझ रहा है। देश में प्रतिदिन चार लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं जबकि हर दिन 4000 से अधिक लोगों की मौत हो रही है। ऐसी स्थिति में आईपीएल और टी20 विश्व कप दोनों का आयोजन यूएई में किये जाने की संभावना है। नीशाम ने 'न्यूजहब' से कहा, ''यदि आईपीएल फिर से शुरू होता है तो मुझे नहीं लगता कि इसका भारत में आयोजन हो पाएगा। '' आईपीएल में मुंबई इंडियन्स की तरफ से खेलने वाले नीशाम ने कहा, ''हम इस साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्व कप को भारत से बाहर आयोजित करने की योजनाओं के बारे में सुन रहे हैं और वे इन चीजों को लेकर बेहद सतर्कता बरत रहे हैं। '' नीशाम को लगता है कि जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में वायरस के घुसने का कारण टीमों का देश भर में यात्रा करना हो सकता है। उन्होंने कहा, ''भले ही हम चार्टर्ड विमानों में जा रहे थे लेकिन हमें तमाम औपचारिकताओं से गुजरना पड़ रहा था जिनसे हमेशा खतरे की संभावना बनी रहती थी। '' नीशाम ने कहा कि यह कहना मुश्किल है कि बायो बबल का उल्लंघन कैसे हुआ। उन्होंने कहा, ''हम वास्तव में स्पष्ट तौर पर नहीं जानते कि टीमें कैसे संक्रमित हुई। सभी चीजों को ठीक रखना बेहद मुश्किल है जबकि आपके आसपास इतने अधिक लोग हों जो एक दूसरे के करीब हैं तथा मैचों के बाद आपस में बातचीत भी होती थी। '' नीशाम ने कहा, ''जब एक टीम में मामला पाया जाता है तो फिर आप सोचने लग जाते हो कि आप पिछले सप्ताह किससे मिले थे। आपने किससे हाथ मिलाया था। आपका दिमाग वास्तव में तेजी से दौड़ने लगता है। '' विभिन्न टीमों के चार खिलाड़ियों और दो कोच का कोविड–19 के लिये पॉजिटिव पाये जाने के बाद आईपीएल पिछले मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दिया गया था।

ताजा सौदों की लिवाली से सोयाबीन वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर मांग में तेजी के कारण व्यापारियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को सोयाबीन की कीमत 133 रुपये की तेजी के साथ 7,764 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई। एनसीडीईएक्स में सोयाबीन के मई माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 133 रुपये अथवा 1.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,764 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई जिसमें 37,920 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी प्रकार, सोयाबीन के जून माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 156 रुपये अथवा 2.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,565 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई जिसमें 45,130 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि हाजिर मांग बढ़ने के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिसकी वजह से वायदा कारोबार में सोयाबीन कीमतों में तेजी आई।

हाजिर मांग के कारण सोना वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे स्थानीय वायदा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 178 रुपये की तेजी के साथ 47,929 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून महीने की डिलिवरी के लिये सोने की कीमत 178 रुपये यानी 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 47,929 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। इसमें 9,676 लॉट के लिये कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली के कारण सोना वायदा कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयार्क में सोने की कीमत 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,835.20 डॉलर प्रति औंस हो गया।

दवाओं की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करें राज्य

नयी दिल्ली। केन्द्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि कोविड–19 महामारी के दौरान सभी राज्यों को दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए विशेष दलों का गठन करना चाहिए और यह स्पष्ट देना चाहिए कि ''लोगों की तकफीलों का व्यापार'' बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। न्यायालय में दायर एक हलफनामे में केन्द्र ने कहा कि भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों को सूचित कर दिया है कि दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' रखें और कड़ी निगरानी रखने के साथ–साथ सख्त कार्रवाई भी करें। हलफनामे के अनुसार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राज्य सरकारों से अनुरोध किया है कि वे दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए औषधि एवं प्रशासन कानून, आवश्यक वस्तु अधिनियम आदि संबंधित कानूनों के तहत सख्त कार्रवाई करें। केन्द्र ने अपने हलफनामे में कहा, ''कालाबाजारी की समस्या से आवश्यक रूप से पुलिस प्रशासन और स्थानीय प्रशासन निपटता है। चूंकि कानून–व्यवस्था राज्य का विषय है, ऐसे में सभी राज्य सरकारें सुनिश्चित करें कि राज्य, जिला और तालुका स्तर पर गठित विशेष दल दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और स्पष्ट संदेश दें कि लोगों की तकफीलों का व्यापार किसी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।''

हलफनामे में कहा गया है कि देश भर में अभी तक ऐसे 157 मामलों में कार्रवाई की गयी है, जिसमें प्राथमिकी दर्ज करना और आरोपियों की गिरफ्तारी शामिल है। महामारी के दौरान आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और सेवा बहाली के मुद्दे पर स्वतंरू संज्ञान लेकर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति धनंजय वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 30 अप्रैल को दवाओं की कालाबाजारी का मुद्दा उठाया था।

हाजिर मांग के कारण सोना वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे स्थानीय वायदा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 178 रुपये की तेजी के साथ 47,929 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून महीने की डिलिवरी के लिये सोने की कीमत 178 रुपये यानी 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 47,929 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। इसमें 9,676 लॉट के लिये कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली के कारण सोना वायदा कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयार्क में सोने की कीमत 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,835.20 डॉलर प्रति औंस हो गया।

संक्षिप्त

दूसरा टेस्ट जीतकर पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे का किया सूपड़ा साफ

हरारे। पाकिस्तान ने सोमवार को यहां दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 147 रन से हराकर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। पाकिस्तान को चौथे दिन जीत के लिये केवल एक विकेट की जरूरत थी। शाहीन शाह अफरीदी ने दिन के पांचवें ओवर में ही ल्यूक जोंगवे (37) को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराकर जीत की औपचारिकता पूरी की। जिम्बाब्वे ने सुबह अपनी दूसरी पारी नौ विकेट पर 220 रन से आगे बढ़ायी और केवल 11 रन जोड़कर उसकी टीम 231 रन पर आउट हो गयी। अफरीदी ने 52 रन देकर पांच विकेट लिये। दूसरी पारी में उनके अलावा नौमान अली (86 रन देकर पांच) ने भी पांच विकेट लिये। हसन अली ने पहली पारी में पांच विकेट लिये थे। जिम्बाब्वे पहली पारी में केवल 132 रन बना पाया था और उसे फालोआन के लिये मजबूर होना पड़ा था। पाकिस्तान ने सलामी बल्लेबाज आबिद अली के नाबाद 215 और अजहर अली के 126 रन की मदद से अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 510 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। पाकिस्तान ने इसी मैदान पर खेला गया पहला टेस्ट मैच पारी और 116 रन से जीता था।

हाजिर मांग से चांदी वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को चांदी की कीमत 781 रुपये की तेजी के साथ 72,210 रुपये प्रति किलो हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के जुलाई डिलीवरी वाले वायदा अनुबंध का भाव 781 रुपये यानी 1.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 72,210 रुपये प्रति किलो हो गया। इस वायदा अनुबंध में 11,011 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू बाजार में तेजी के रुख के कारण कारोबारियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे चांदी वायदा कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर, न्यूयार्क में चांदी का भाव 1.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 27.77 डालर प्रति औंस हो गया।

हाजिर मांग के कारण कच्चातेल वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को कच्चा तेल की कीमत 28 रुपये की तेजी के साथ 4,791 रुपये प्रति बैरल हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चातेल के मई डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 28 रुपये अथवा 0.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,791 रुपये प्रति बैरल हो गई जिसमें 6,190 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने की वजह से कच्चातेल वायदा कीमतों में लाभ दर्ज हुई। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट कच्चे तेल का दाम 0.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 65.21 डालर प्रति बैरल हो गया। जबकि, वैश्विक मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड का दाम 0.48 प्रतिशत गिरकर 68.61 डालर प्रति बैरल हो गया।

हाजिर मांग से एल्युमीनियम वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर मांग में तेजी आने के बीच सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को एल्युमीनियम की कीमत 1.89 प्रतिशत की तेजी के साथ 204.55 रुपये प्रति किलो हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में मई माह में डिलीवरी होने वाले अनुबंध के लिये एल्युमीनियम का भाव 3.80 रुपये यानी 1.89 प्रतिशत की तेजी के साथ 204.55 रुपये प्रति किलो हो गया। इसमें 2,167 लॉट के लिये सौदे किये गये।बाजार विश्लेषकों ने कहा कि उपभोक्ता उद्योगों की मांग बढ़ने के कारण व्यापारियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में एल्युमीनियम कीमतों में तेजी आई।

हाजिर मांग से तांबा वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर मांग में तेजी आने के बीच वायदा कारोबार में सोमवार को तांबा की कीमत 2.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 808.40 रुपये प्रति किलो हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में मई माह में डिलीवरी होने वाले अनुबंध के लिये तांबा का भाव 21.15 रुपये यानी 2.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 808.40 रुपये प्रति किलो हो गया। इसमें 5,382 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने तांबा वायदा कीमतों में तेजी आने का श्रेय हाजिर मांग में तेजी की वजह से कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार बढ़ाने को दिया।

रिलायंस, सहयोगियों ने केजी–डी6 की तीन चौथाई गैस खरीदी

नयी दिल्ली। अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसकी सहयोगियों ने फर्म के पूर्वी अपतटीय केजी–डी6 ब्लॉक में खोजी गई गैस की तीन चौथाई से अधिक मात्रा खरीद ली है, जिसकी सरकार द्वारा तय कीमत, आयातित दर के मुकाबले आधे से भी कम है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। रिलायंस और उसकी साझेदार ब्रिटेन की बीपी पीएलसी ने पिछले सप्ताह केजी–डी6 ब्लॉक में नई खोजों से निकलने वाली गैस की 55 लाख घन मीटर गैस प्रतिदिन आपूर्ति करने की की नीलामी आयोजित की थी। मामले की सीधी जानकारी रखने वाले तीन सूत्रों ने कहा कि नीलामी में रिलायंस के तेल से रसायन (ओ2सी) का कारोबार करने वाली इकाई ने 3.2 घन मीटर गैस उठाई। उन्होंने यह भी बताया कि गैस क्रय एवं और विपणन के लिए रिलायंस और बीपी की ओर से मिल कर स्थापित संयुक्त उद्यम इंडिया गैस सॉल्युशंस (आईजीएस) ने दैनिक दस लाख घनमीटर गैस के लिए बोली लगायी । गैस की शेष मात्रा अडाणी गैस (01.5घन मीटरध दैनिक), आईआरएम एनर्जी (1.0 लाख घन मीटर), गेल (30,000 घन मीटर प्रतिदिन) और टोरेंट गैस (20,000 घन मीटर प्रतिदिन) ने उठाई।

सम्पादकीय.....

बांग्लादेश की आर्थिक रफ्तार

यह दुनिया के लिए एक बास्केट देश बनेगा, जो अन्य देशों के रहमो–करम पर जिंदा रहेगा. लेकिन पांच दशकों के सफर ने राजनीतिक पंडितों की सोच और सिद्धांत को बदल दिया. न केवल अपने लिए, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए बांग्लादेश एक मॉडल बन गया है. जहां पाकिस्तान की चर्चा केवल आतंकवाद और महाशक्तियों के बूते पर रेंगनेवाले देश के रूप में की जाती है, वहीं बांग्लादेश की पहचान एक उद्यमी देश के रूप में है, जो 2040 में विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा दिखायी देगा.बांग्लादेश को मुसीबतों से लगातार जूझना पड़ा है. राजनीतिक उथल–पुथल और प्राकृतिक आपदाएं मुसीबत का सबब बनती रही हैं. आज से एक दशक पहले पाकिस्तान का सकल घरेलू उत्पादन बांग्लादेश से 60 अरब डॉलर अधिक था, वहीं आज बांग्लादेश उसे बहुत पीछे छोड़ चुका है. बांग्लादेश 320 अरब डॉलर की आर्थिक शक्ति है, जबकि पाकिस्तान महज 265 के अंक पर रुका हुआ है. उसमें भी बड़ा हिस्सा दूसरे देशों के सहयोग से मिला है. बांग्लादेश ने इस बात की अहमियत को समझा कि व्यापार देश की रीढ़ है, अनुदान नहीं. पाकिस्तान या अन्य दक्षिण एशियाई देशों की तरह वह चीन की नयी आर्थिक पहल का हिस्सा नहीं बना. चीन के साथ उसकी सहभागिता शर्तों के साथ बनी रही. पश्चिमी देशों ने भी बांग्लादेश के नये अवतार को गले लगाया. बांग्लादेश और भारत की सीमा दक्षिण एशिया के किसी भी देश से लंबी है. बांग्लादेश ने इस सीमा को एक अवसर के रूप में देखा, जबकि अन्य देश, विशेषकर पाकिस्तान, भारत विरोधी मुहिम में लगे रहे. जो कुछ शिकायतें थीं, उसे भी भारत की वर्तमान सरकार ने दूर कर दिया. दक्षिण एशियाई देशों का एक नकारात्मक पहलू राष्ट्रीयता से जुड़ा है. मुसीबतें तब आयीं, जब उनकी राष्ट्रीयता भारत विरोधी ढर्रे पर बनने लगी. अनेक देशों ने पाकिस्तान मॉडल पर अमल करने की कोशिश की. बांग्लादेश में भी 1975 और 1982 में भारत विरोधी लहर पैदा करने की कोशिश की गयी थी, लेकिन बाद में शेख हसीना ने उसे पनपने नहीं दिया और उसका सकारात्मक स्वरूप बनाया, जिसका नतीजा दुनिया के सामने है.बांग्लादेश की प्रगति की तीसरी अहम वजह है सैन्य खर्चो में कटौती. उसके बदले सरकार ने आर्थिक और सामाजिक कमजोरियों को दूर करने के प्रयास शुरू किये. कपड़ा उद्योग को तरजीह दी गयी, जिसमें महिलाओं की भागीदारी सामाजिक परिवर्तन का मजबूत आधार बन गयी. लैंगिक समानता भी बढ़ने लगी. इसके साथ स्वास्थ्य सेवा को भी बल मिला. यही कारण है कि कोरोना महामारी के दौरान भी बांग्लादेश की हालत उतनी खराब नहीं हुई, जैसा अन्य देशों में देखा गया. खाड़ी देशों में कार्यरत बांग्लादेश के लोगों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है. करीब 80 लाख बांग्लादेशी विदेशों में बसे हुए हैं. उनके द्वारा भेजी जानेवाली रकम देश के कुल घरेलू उत्पादन का 10 फीसदी हिस्सा है. देश के विकास से बेरोजगारी पर भी अंकुश लगा है और जनसंख्या भी नियंत्रित है. वर्ष 2008 बांग्लादेश के सामाजिक व आर्थिक नियोजन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण वर्ष था, जब उसने 'विजन 2021' की घोषणा की थी. इसके तहत उसने 2021 तक मध्यम आय अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य निर्धारित किया था. इसके उपरांत बांग्लादेश ने 'विजन 2041' अपनाया, जिसके तहत 2041 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य है।

आज का राशिफल

मेष :– भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्नक विचार ला सकती हैं।

बृषभ :– भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

मिथुन :– भावनाओं पर नियंतग्रख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक–सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :– किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

कन्या :– नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुला :– कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन–सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिक :– किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

धनु :– रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकर :– सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभ :– पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

मीन :– पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा।

कोरोना की तीसरी लहर से बचना होगा

–राजेश माहेश्वरी

संकट के इस दौर के बीच ही बंगलुरू के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस ने गणितीय आधार पर आकलन किया है कि 11 जून तक 4.4 लाख से ज्यादा मौतें हो सकती हैं। अभी तक मौतों का कुल आंकड़ा 2.30 लाख से अधिक है। यानी भारत में कोरोना से मौतें दुगुनी हो सकती हैं! बहरहाल अभी तो हम कोविड की दूसरी लहर के 'पीक' की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञों का आकलन है कि मई के अंत में 'पीक' की स्थिति आ सकती है और उसके बाद संक्रमण कम होना शुरू हो सकता है, लेकिन अब विशेषज्ञ लगभग सर्वसम्मत हैं कि यह कोविड के सामुदायिक संक्रमण का ही दौर है। संक्रमण गांवों तक फैल चुका है और अब तेजी से फैलने की मुद्रा में है। इन परिस्थितियों के बीच यह बात किसी से छिपी नहीं है कि छोटे शहरों कस्बों और गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं के हालात किसी से छिपे नहीं है।

देश में कोरोना की दूसरी लहर ने बुरी तरह जकड़ रखा है। शहरों के बाद अब गांवों और कस्बों से भी कोरोना संक्रमण से जुड़ी खबरें आ रही हैं, जो चिंता का बड़ा कारण है। कोरोना की दूसरी लहर का 'पीक' कब आएगा और कब ये शांत होगी इस बारे में भिन्न–भिन्न विचार सामने आ रहे हैं। कुल मिलाकर चिकित्सा विज्ञान और वैज्ञानिकों के पास कोई ऐसी ठोस सूचना या जानकारी नहीं, जिससे ये पता चल सके कि कोरोना पर काबू कैसे और कब तक होगा। चिकित्सक, वैज्ञानिक और शोधकर्ता इस दिशा में दिन–रात प्रयासरत हैं, लेकिन अभी तक सफलता हाथ नहीं लग पाई है। इन सब के बीच ये समाचार भी सामने आया है कि कोरोना की तीसरी लहर आना भी तय है। कोरोना की तीसरी लहर के खबर से पहले से ही चिंता में डूबे देशवासियों की परेशानी और बढ़ गई है। तीसरी लहर की बात किसी और ने नहीं बल्कि भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के. विजय राघवन ने इस बारे में देश को आगाह किया है। उनके कथनानुसार कोरोना की तीसरी लहर आना त है। राघवन ने 'आसार' या 'संभावना' शब्द प्रयोग नहीं किये, बल्कि यह भी चेतावनी दी कि तीसरी लहर बहुत तेजी से आ सकती है और उसे टाला नहीं जा सकता। यह लहर कब आएगी, इसका निश्चित समय उन्होंने नहीं बताया। अलबत्ता विशेषज्ञ सितंबर–अक्तूबर का अनुमान लगा रहे हैं। समाचार का संचार होते ही देश में कोरोना की तीसरी लहर को लेकर चर्चाओं का दौर गर्म हो गया। इस बीच प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने अपने ताजा बयान में कहा कि सावधानी और सर्तकता से तीसरी लहर को काबू किया जा सकता है। ऐसा नहीं है कि कि केंद्र सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार ने ही ऐसी चेतावनी दी है या दावा किया है। राघवन के दावे से पूर्व प्रसिद्ध डाक्टर भी तीसरी लहर ही नहीं, बल्कि चौथी लहर तक के आकलन दे चुके हैं। उनके शोधात्मक निष्कर्षों पर सरकार के वैज्ञानिक विशेषज्ञ ने मुहर लगाई है, तो अब महामारी के नए दौर की अपरिहार्यता समझनी चाहिए। फिलहाल कोविड की दूसरी

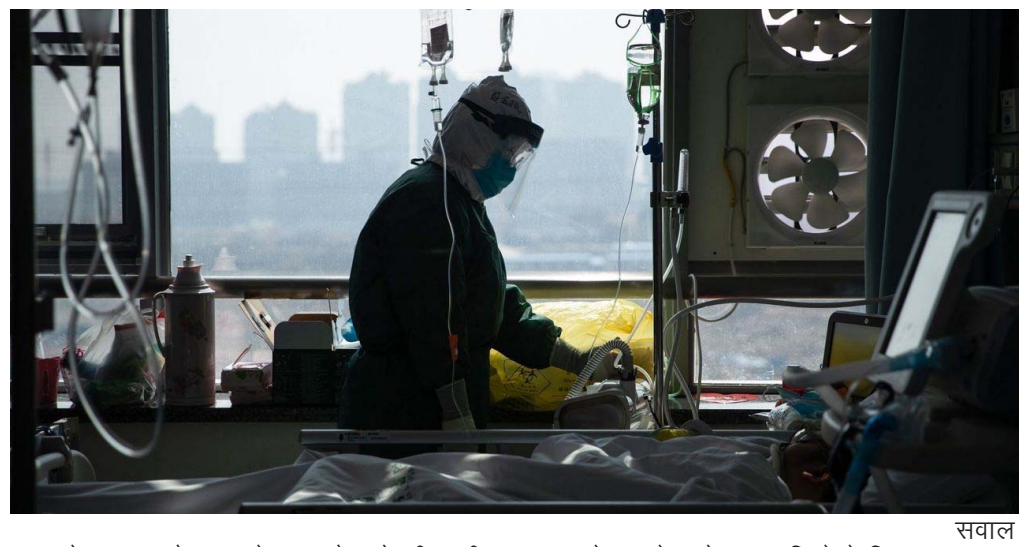

लहर के घातक और जानलेवा थपेड़े हम झेल रहे हैं। देश में कोरोना वायरस से मौत का सरकारी आंकड़ा 2.5 लाख पार कर चुका है। देश में कोरोना से 12 मार्च 2020 को पहली मौत दर्ज हुई थी। उसके बाद 50 हजार का आंकड़ा पार करने में 156 दिन लगे थे। लेकिन आखिरी 50 हजार लोगों की मौत में महज 13 दिन में हो गई है। पिछले कई दिनों से संक्रमितों का आंकड़ा 4 लाख का पार कर रहा है। संक्रमण का आंकड़ा दुनिया के सभी देशों से ज्यादा है। इस वक्त देश में कोरोना का घातक अनुपात 1.1 फीसदी से ऊपर है। यानी भारत में कोरोना पॉजिटिव होने वाले हर 100 लोगों में से एक से ज्यादा की मौत हो रही है। पंजाब, गुजरात, पश्चिम बंगाल के कई प्रमुख शहरों में हर 100 कोरोना संक्रमितों में से दो की मौत हो रही है। जबकि दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश प्रदेश जैसे बड़ी आबादी प्रदेशों में सीएफआर 1 फीसदी या इससे ज्यादा है। मेडिकल जर्नल लांसेट में छपे संपादकीय में 1 अगस्त तक भारत में कोरोना से 10 लाख मौतें होने की संभावना जताई गई है। ब्रिटेन से निकलने वाली इस प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल में 'इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मीट्रिक्स एंड इवेल्यूएशन' के हवाले से आंकड़े लिए गए हैं। संकट के इस दौर के बीच ही बंगलुरू के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस ने गणितीय आधार पर आकलन किया है कि 11 जून तक 4.4 लाख से ज्यादा मौतें हो सकती हैं। अभी तक मौतों का कुल आंकड़ा 2.30 लाख से अधिक है। यानी भारत में कोरोना से मौतें दुगुनी हो सकती हैं! बहरहाल अभी तो हम कोविड की दूसरी लहर के 'पीक' की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञों का आकलन है कि मई के अंत में 'पीक' की स्थिति आ सकती है और उसके बाद संक्रमण कम होना शुरू हो सकता है, लेकिन अब विशेषज्ञ लगभग सर्वसम्मत हैं कि यह कोविड के सामुदायिक संक्रमण का ही दौर है। संक्रमण गांवों तक फैल चुका है और अब तेजी से फैलने की मुद्रा में है। इन परिस्थितियों के बीच यह बात किसी से छिपी नहीं है कि छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं के हालात किसी से छिपे नहीं है। अभी जांच व इलाज शहरों और जिला मुख्यालयों तक ही सीमित है। गांवों में कोविड की टेस्टिंग भी नगण्य है। लोग अब भी जागरूक नहीं हैं। गुजरात के साणंद में जिस तरह हजारों महिलाओं की भीड़ ने सिर पर पानी से भरा घड़ा रखकर जुलूस निकाला और उस पानी को एक मंदिर पर चढ़ाया गया। कोविड प्रोटोकॉल का जमकर उल्लंघन किया गया। वहीं उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में जिला काजी हजरत शेख अब्दुल हमीद मुहम्मद सालिमुल कादरी का इंतकाल हो गया। इसके बाद उनके जनाजे में 15–20 हजार लोग उमड़ पड़े। कोविड प्रोटोकॉल की जमकर धज्जियां उड़ाई गई। क्या ऐसी भीड़ के रहते हुए कोरोना की तीसरी लहर को थामा जा सकता है? पंजाब में किसानों ने बिना मास्क और दो गज की दूरी बनाए किसान कानूनों पर विरोध–प्रदर्शन किया और कानूनों को कोविड से भी ज्यादा खतरनाक करार दिया, क्या ऐसी भीड़ संक्रमण को रोक सकती है? इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश की आबादी का बड़ा हिस्सा अभी भी कोरोना को लेकर रत्ती भर भी सीरियस नहीं है। आज भी पुलिस और प्रशासन को लोगों को बिना वजह घर से न निकलने की सलाह दी जा रही है। मास्क न पहनने वालों के चालान काटे जा रह हैं। ऐसी स्थितियों में कोरोना की तीसरी, चौथी या कितनी लहरें आएंगी कोई डाक्टर या वैज्ञानिक शायद ही कभी बता पाए। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर है। बड़ी संख्या में लोग कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं। ऐसे में कोरोना के नये नये वेरिएंट्स ने चिंता बढ़ा दी है। दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में मिला कोरोना वेरिएंट काफी संक्रमण फैला रहा है। कोरोना के इस वेरिएंट को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन चिंतित है। इस मामले में कुछ वैज्ञानिकों का कहना है यह वेरिएंट काफी खतरनाक और तेजी से संक्रमण फैला सकता है। यह भी देवा है कि यह कोरोना वैक्सीन को भी बेअसर कर सकता है। जिस तरह से दूसरी लहर ने तांडव मचा रखा है, ऐसे में तीसरी लहर के बारे में सोचकर भी रूह कांप जाती है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या तीसरी लहर मौजूदा लहर से ज्यादा प्रचंड और जानलेवा साबित होगी? एक विकल्प धुंधला–सा दिखाई देता है कि तीसरी लहर आने से पहले ही हम अधिकतम लोगों में टीकाकरण करें। लेकिन टीकों की भी भारी कमी है। वहीं इतनी बड़ी आबादी को टीका लगाने में काफी समय लगेगा। ऐसे में क्या विकल्प हमारे पास बचते हैं। देश के हर नागरिक को इस संकट काल में सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। पुलिस और प्रशासन के निर्देशों का गंभीरता से पालन करना होगा। बिना जरूरी काम के घर से बाहर नहीं निकलना। मास्क पहनना, सैनिटाइजर का प्रयोग करना और सामाजिक दूरी का पालन सख्ती से करना होगा। वही केंद्र और राज्य सरकारों की जिम्मेदारी बनती है कि वो जरूरतमंदों के भोजन, इलाज एवं आवास का प्रबंध सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर करे। नागरिकों की जीवन रक्षा राज्य की जिम्मेदारी में शामिल है।

–लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

विधानसभा चुनावों में भाजपा की हार और उससे आगे!

राजेंद्र शर्मा

निस्संदेह, विधानसभाई चुनावों के हालिया चक्र की सबसे बड़ी स्टोरी, प. बंगाल को जीतने के मोदी–शाह की भाजपा के अभियान का बुरी तरह से विफल हो जाना है। लेकिन, इस महाभियान की विफलता पर हम जरा बाद में आएंगे। फिलहाल तो सिर्फ इतना याद दिला दें कि चुनाव के इस चक्र में आए दो और ही नतीजे हैं, जो शब्दशरू ऐतिहासिक कहलाने के हकदार हैं। और दोनों वामपंथ के संबंध में हैं और उसके भविष्य को लेकर एकदम विरोधी संकेत देते हैं, वास्तव में देश की राजनीति के भविष्य की भी जटिलता की ओर इशारा करता है। इनमें पहला ऐतिहासिक नतीजा तो, केरल की जनता द्वारा सीपीएम के नेतृत्ववाले एलडीएफ को लगातार दूसरी बार सत्ता सौंपा जाना ही है। बेशक, हमारे देश के चुनावी इतिहास में, किसी सत्ताधारी पार्टी या गठबंधन के दोबारा चुनकर आने को, किसी भी तरह से अनोखा नहीं कहा जा सकता है। उल्टे विधानसभाई चुनाव के मौजूदा चक्र में ही, कुल पांच में से तीन विधानसभाओं में पिछली बार के सत्तापक्ष को ही दोबारा जनता का विश्वास हासिल हुआ है। यहां तक कि भाजपा ने इसी में, चुनाव के इस चक्र में मोदी–शाह की जोड़ी का जादू फेल होने और सबसे बढ़कर बंगाल में सब कुछ झोंकने के बाद भी उसकी मुहिम के विफल होने पर, मुंह छुपाने का बहाना ढूंढ़ लिया है। और यह बहाना क्या है? बहाना जिसे केरल के ही वरिष्ठड्ड भाजपा नेता और केंद्रीय गृहराज्य मंत्री ने स्वर दिया, यह है कि इस समय श्सत्तारूढ़ों के पक्ष में आम राष्टड्डीय रुझानश ही है! उसके ऊपर से, श्ऐसा लगता है कि कोविड की स्थिति ने लोगों को डरा दिया और उन्होंने आम तौर पर सत्ताधारी के बने रहने का पक्ष लिया है।श यह दूसरी बात है कि बगल में, तमिलनाडु की जनता ने चुनाव के इस चक्र का सबसे बड़ा उलटफेर कर के दिखाया है। हां! भाजपा नेता इस सच्चाई को नहीं देखना चाहेंगे क्योंकि उन्होंने इस चक्र में जिस उलट–फेर के लिए अपने सारे हरबे–हथियार झोंक दिए थे, उसे तो जनता ने जोरदार तरीके से खारिज कर दिया। बहरहाल, केरल में बने इतिहास पर लौटें। जहां देश के अन्य अनेक राज्यों में चुनाव में सत्ता का उलट–फेर, कभी–कभार ही देखने को मिलता है, केरल की जनता का जनतंत्र का आइडिया इससे काफी अलग ही लगता है। पूरी आधी सदी से चले आते, हर विधानसभाई चुनाव में सत्तापक्ष के बदल जाने के सिलसिले के बाद, जिसे एक तरह से पांच साल में सत्ता बदल का अनुल्लंघनीय नियम ही माना जाने लगा था, एलडीएफ ने लगातार दूसरे चुनाव में राज्य की जनता का विश्वास जीत कर दिखाया है। यह सचमुच इतिहास बनाने मामला है। जाहिर है कि केरल में इतिहास भी उसके खास अंदाज में ही बना है। सभी जानते हैं कि केरल के जनमत का बहुत बड़ा हिस्सा, दो मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों कृ सीपीएम के नेतृत्ववाले एलडीएफ तथा कांग्रेस के नेतृत्ववाले यूडीएफकृके बीच काफी स्थायी तरीके से बंटा हुआ है। जनमत का अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा ही है, जो चुनावों में इधर से उधर होता है और यह तय करता है कि सत्ता किसे मिलेगी। इसीलिए, लगभग हरेक चुनाव में सत्ता का उलटफेर होने के बावजूद, दोनों मुख्य प्रतिद्वंद्वियों के बीच कुल वोट का फासला कुख्यात तरीके से छोटा ही रहता आया है। लेकिन, इस चुनाव में इसमें भी कुछ बदलाव हुआ है। विधानसभा की कुल 140 में 99 सीटों पर जीत दर्ज कराने वाले एलडीएफ को इस चुनाव में कुल 45.2 फीसद वोट मिले हैं, जबकि यूडीएफ 39.04 फीसद वोट पर ही रह गया है। दोनों मोर्चों में 6 फीसद से ज्यादा वोट का अंतर, केरल के हिसाब से काफी बड़ा अंतर है। इससे भी ज्यादा दिलचस्प तथ्य यह है कि जहां पिछले विधानसभाई चुनाव के मुकाबले में इन दोनों ही मुख्य प्रतिद्वंद्वियों के मत फीसद में बढ़ोतरी हुई है, वहीं तीसरा ध्रुव बनने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाने और मोदी–शाह के सारे प्रचार के बावजूद, भाजपा का मत फीसद और नीचे चला गया है। जहां 2016 के विधानसभाई चुनाव में भाजपा को 15.01 फीसद वोट मिले थे, इस बार के चुनाव में उसका वोट 12.4 फीसद ही रह गया है। इतना ही नहीं, दो विधानसभाई चुनावों के बीच भाजपा को मिला कुल वोट भी 30.20 लाख से गिरकर 25.42 लाख पर आ गया है यानी पिछले विधानसभाई चुनाव में भाजपा को वोट डालने वाले मलयालियों में से, पूरे 4 लाख 78 हजार ने इस बार भाजपा का साथ छोड़ दिया। अचरज की बात नहीं है कि इस चुनाव में भाजपा ने, पिछले चुनाव में मिली अपनी इकलौती सीट भी गंवा दी है। केरल, संभवतरू आंध्र के बाद, ऐसा अकेला राज्य है, जहां विधानसभा में भाजपा का खाता खुलने के बाद, फिर से बंद हो गया है। दूसरी ओर, एलडीएफ का वोट, पिछले चुनाव के 43 फीसद से बढ़कर 45.2 फीसद हो गया, जबकि कांग्रेस का 38.79 फीसद से जरा सा बढ़कर, 39.04 फीसद पर पहुंचा है। केरल की जनता के इस ऐतिहासिक जनादेश और दोनों मुख्य प्रतिद्वंद्वियों के जनसमर्थन में बढ़ते अंतर से, ऐसा लगता है कि केरल की जनता ने भाजपा की सांप्रदायिक राजनीतिक को तो बाहर का दरवाजा दिखाया ही है, इसके साथ ही पिनराई विजयन के नेतृत्व में एलडीएफ की सरकार के जनहितकारी काम–काज पर खासतौर पर और वामपंथी राजनीति पर आम तौर पर, अपना भरोसा जताया है। कहने की जरूरत नहीं है कि विजयन सरकार ने जिस तरह पहले राज्य में लगातार दो साल आई बाढ़ की आपदाओं और पिछले एक साल से ज्यादा से जारी कोविड–19 महामारी की चुनौती के सामने, समूची जनता को जनतांत्रिक तरीके से साथ लेकर और कमजोर तबकों का खासतौर पर ध्यान रखते हुए, राज्य के प्रशासनिक–राजनीतिक नेतृत्व का जो मॉडल कायम किया है, उसे केरल की जनतांत्रिक जनता ने स्पष्टड्ड रूप से पसंद किया है। यह केरल के राजनीतिक संतुलन को निश्चित रूप से वामपंथ के पक्ष में और झुकाएगा। इस चुनाव का दूसरा ऐतिहासिक नतीजा, केरल के नतीजे के ठीक उलट वामपंथ के लिए एक जबर्दस्त धक्के का सूचक हैय प. बंगाल के चुनाव का दूसरा या उप–नतीजा है। यह नतीजा यह है कि नई गठित होने वाली विधानसभा आजादी के बाद से बल्कि आजादी के भी पहले से, बंगाल की ऐसी विधानसभा होगी, जिसमें वामपंथ का प्रनिनिधित्व ही नहीं होगा। 1977 से लगातार 34 साल प. बंगाल में जनता का विश्वास जीतते रहे वाम मोर्चा का इस चुनाव में शून्य पर सिमट जाना, बेशक एक बहुत भारी उलट–फेर है, जिसका प. बंगाल की राजनीति पर काफी दूर तक असर दिखाई देगा। लेकिन, यह भी वामपंथ के बंगाल में फिर से एक बड़ी ताकत के रूप में उठने के और भी मुश्किल हो जाने का सूचक तो है, लेकिन वामपंथ के लिए राज्य की जनता के दरवाजे बंद होने का सूचक नहीं है। ऐसा इसलिए है कि यह तो स्वतरू स्पष्टड्ड ही है कि भाजपा और तृणमूल कांग्रेस, बंगाल की सत्ता की लड़ाई को सांप्रदायिक व अन्य ध्रुवीकरणों के अपने औजारों से, फिलहाल पूरी तरह से द्विध्रुवीय बनाने में कामयाब हो गए हैं। जैसा कि अनुमान था, भाजपा–विरोधी जनभावना के चलते, इस ध्रुवीकरण का ज्यादा फायदा तृणमूल कांग्रेस को ही मिला है। इसका पता इस तथ्य से भी लगता है कि इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने जो 53 नई सीटें जीती हैं, उनमें से 29 सीटें पिछली बार कांग्रेस ने जीती थीं और 22 वाम मोर्चे ने। दूसरी ओर तृणमूल ने पिछले चुनाव में जीतीं अपनी पूरी 48 सीटें, भाजपा के हाथों गंवाई हैं। बहरहाल, यह परवर्ती ध्रुवीकरण बहुत नहीं चल सकता। इसकी वजह यह है कि ये दोनों ध्रुव, मेहनतकशों के हितों के मामले में वास्तव में एक ही ध्रुव बन जाते हैं। इसलिए, फिलहाल विधानसभा में न भी सही, मेहनतकशों की आवाज का ध्रुव तो हमेशा ही रहेगा। चुनाव के बाद वामपंथ व संयुक्त मोर्चा के घटकों पर तृणमूल कांग्रेस के शारीरिक हमलों ने, इसकी पुष्टिड्ड भी कर दी है। इसी में इस सवाल का उत्तर भी छुपा हुआ है कि क्या बंगाल की इस जीत ने, ममता बैनर्जी को विपक्षी एकता का स्वाभाविक चेहरा बना दिया है। बेशक, विपक्षी एकता को विधानसभाई चुनाव के इस चक्र के नतीजों से काफी बल मिलेगा।

कैटरीना कैफ को पहले हुई थीं ऑफर दीपिका स्टारर 3 सुपरहिट फिल्में

कैटरीना कैफ बॉलीवुड की ए लिस्ट एक्ट्रेस में से एक हैं. वह अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीत चुकी हैं. कैटरीना कैफ सभी बेस्ट डायरेक्टर की पहली पसंद होती हैं. हम सब ही उनकी फिल्म्स को खूब एंजॉय करते हैं लेकिन क्या आपको पता है कैटरीना कैफ को कुछ सुपरहिट फिल्में ऑफर हुईं थी. अगर कैटरीना इन फिल्मों के लिए हां कह देती तो वह आज एक अलग मुकाम पर होती. कैटरीना कैफ की वजह से दीपिका पादुकोण के हाथ कुछ ऐसी फिल्में लगीं जिन्होंने उनका करियर बना दिया था. दीपिका पादुकोण की सुपरहिट फिल्में पहले कैटरीना कैफ को ऑफर हुईं थी मगर उन्होने उसके लिए मना कर दिया जिसके बाद यह दीपिका पादुकोण के हाथ लग गई थीं. इन फिल्मों ने दीपिका के करियर को एक अलग मुकाम पर पहुंचा दिया है. शाहरुख खान की चेन्नई एक्सप्रेस सुपरहिट साबित हुई थी. इस फिल्म में दीपिका पादुकोण का मीनम्मा का किरदार बहुत पसंद किया गया था. पर क्या आपको पता है इस फिल्म के लिए दीपिका पहली पसंद नहीं थी. इस फिल्म में मेकर्स शाहरुख के साथ कैटरीना कैफ को कास्ट करना चाहते थे. रिपोर्ट के मुताबिक कैटरीना कैफ ने इस फिल्म के लिए भाषा और एसेंट की वजह से मना कर दिया था. उसके बाद यह फिल्म दीपिका के हाथ लगी और उन्होंने अपने किरदार से फिल्म में जान डाल दी. दीपिका पादुकोण की फिल्म बाजीराव मस्तानी ने इतिहास रच दिया था. रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म पहले कैटरीना को ऑफर हुई थी लेकिन उन्होंने मना कर दिया था. रिपोर्ट्स की माने तो संजय लीला भंसाली हम दिल दे चुके सनम में सलमान खान–ऐश्वर्या जैसा मैजिक दोबारा अपनी फिल्म में चाहते थे लेकिन दोनों के ब्रेकअप की वजह से ये होना मुश्किल थी. तब डायरेक्टर ने रणवीर सिंह के अपोजिट कैटरीना कैफ को कास्ट करने का फैसला लिया था लेकिन एक्ट्रेस ने अपने से छोटे एक्टर के साथ रोमांस करने से मना कर दिया था और यह फिल्म फिर दीपिका के हाथ लग गई. दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर की फिल्म ये जवानी है दीवानी हमारे दिलों का हिस्सा बनी हुई है. इस फिल्म ने सभी का दिल जीत लिया था. पर क्या आपको पता है यह फिल्म भी कैटरीना को ऑफर हुई थी. इस फिल्म में कैटरीना रणबीर के साथ रोमांस करती नजर आती.

माहिरा खान बनेंगी जी थिएटर की नई सीरीज यार जुलाहे का हिस्सा

एक्ट्रेस माहिरा खान जी थिएटर का हिस्सा बनने जा रही हैं. वह आने वाली सीरीज श्यार जुलाहेय में एक शॉर्ट स्टोरी पढ़ती नजर आएंगी. जी थिएटर की शुरुआत साल 2015 में हुई थी. तब से लेकर अब तक वो प्रयत्नशील है कि छोटे पर्दे पर दुनियाभर के दर्शकों के लिए रंगमंच की चुनिंदा रचनाओं का मंचन किया जाए. यार जुलाहे एक ऐसी सीरीज है जिसमें 12 कहानियों को सेलेब्स सुनाएंगे और इसके साथ इसका नाट्य रुपांतरण भी दिखाया जाएगा. 15 मई को टाटास्काई थिएटर पर श्यार जुलाहेय की पहली कड़ी दिखाई जाएगी जिसमें माहिरा खान नजर आएंगी. श्यार जुलाहेय गुलजार की एक नज़्म है और इस नाम को इस लिए चुना गया क्योंकि यह सीरीज समर्पित है उन रचनाकारों को जो शब्दों से कहानियों को कुछ इस तरह बुनते हैं जैसे जुलाहे सूत कात रहे हों. माहिरा खान शॉर्ट स्टोरी श्गुडियाय को पढ़ेंगी जो उपमहाद्वीप के बेहतरीन लेखकों में से एक, अहमद नदीम कासमी की कलम द्वारा रची गयी है. श्गुडियाय कहानी है दो सहेलियों की. मेहरा और बानो की दोस्ती के तार मजबूत हैं और बानो के पास एक गुडिया है जिसकी शक्ल मेहरा से मिलती है. मेहरा को हालांकि यह गुडिया पूरी तरह से नापसंद है. देखिये किस तरह धीरे धीरे इस गुडिया के आसपास प्यार और नफरत के उतार चढ़ाव दोनों सहेलियों को घेरते हैं और कैसे एक अजीबोगरीब मोड़ इस कहानी को अंजाम तक पहुंचाता है और इस गुडिया का राज खोलता है . श्यार जुलाहेय लेकर आएगा उर्दू और हिंदी के प्रगतिशील लेखकों की रचनायें जिनमे शामिल हैं गुलजार, सआदत हसन मंटो, इस्मत चुगताई , मुंशी प्रेमचंद, अमृता प्रीतम, कुर्अतुल ऐन हैदर , बलवंत सिंह , असद मोहम्मद खान, गुलाम अब्बास, राजिंदर सिंह बेदी और इंतेजार हुसैन. जाने माने निर्देशक और अभिनेता सरमद खूसट के अनुसार श्यार जुलाहेय की प्रेरणा उन्हें श्दास्तानगोई श की परंपरा से मिली जो दक्षिण एशिया में कहानियां रचने और कहने के लिए प्रचलित है. वे कहते हैं, हमने श्दास्तानगोई श को एक नए अंदाज में ढाला है।

जो चीज हमें कहीं न कहीं तोड़ती हैं, वही हमें एकजुट करती हैं: कृति सेनन

कृति सेनन ने एक नए वीडियो में निराशा के उज्जवल पक्ष की बात की है। वह कहती हैं कि जो चीज लोगो को तोड़ती है वह उन्हें एकजुट भी करती है। कृति ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें देखा गया कि कैसे लोग जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए अपनी क्षमता से परे जा रहे थे। वीडियो में वह कहती हैं, जो चीज हमें कहीं न कहीं तोड़ती हैं, वह हमें एकजुट करती हैं। आज जब मैं चारों ओर देखती हूं तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी जाति क्या है या धर्म क्या है, पेशा है, अमीर या गरीब, आप किस राज्य से हैं कुछ भी मायने नहीं रखता। इसके अंत में हम हैं। बस सभी इंसान जो एक दूसरे के दर्द को महसूस कर सकते हैं और पहचान सकते हैं। वह आगे कहती हैं, जब हमें किसी की जरूरत होती है तो हम भयानक महसूस करते हैं और हम उस शब्द को फैलाने और उस व्यक्ति की मदद लेने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम एक दूसरे के लिए अजनबी हैं। हम दान कर रहे हैं, हम एक दूसरे की पीड़ा और दर्द को समाप्त करने का तरीका जानने की कोशिश कर रहे हैं। कृति ने वीडियो शेयर करके कैप्शन लिखा, मैं कोशिश करती हूं और हर चीज में एक सिल्वर लाइनिंग देखती हूं अंधेरे में रोशनी की एक किरण, बुरे में अच्छी हां मैं वह व्यक्ति हूं मैं और मेरी तन्हाई अक्सर बातें किया करते हैं। बस ऐसा लगा जैसे मैंने आज के बेड टाइम थॉट को साझा किया गया है नाइट डियर डायरी होने के लिए धन्यवाद। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म भूमि की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसमें वरुण धवन भी हैं। फिल्म अमर कौशिक द्वारा निर्देशित है, और फिल्म अगले साल 14 अप्रैल को रिलीज होने की उम्मीद है। भेडिया के अलावा, कृति फिल्म मिमी में नजर आएंगी, जो सरोगेसी पर आधारित है। वह एक्शन कॉमेडी फिल्म बच्चन पांडे में अक्षय कुमार के साथ, और एक्शन ड्रामा गणपत में टाइगर श्रॉफ के साथ हैं। कृति की फिल्मों की लाइन में राजकुमार राव के साथ हम दो हमरे दो और प्रभास और सैफ अली खान के साथ आदिपुरुष भी शामिल हैं।

नोरा फतेही ने ग्लैमरस अंदाज में इंटरनेट पर ढाया कहर

अपने डांस मूव्स और बोल्डनेस के लिए मशहूर एक्ट्रेस नोरा फतेही ने एक बार फिर अपने ग्लैमरस अंदाज से फैन्स के होश उड़ा दिए हैं। नोरा अक्सर अपनी दिलकश अदाओं से फैन्स को दीवाना बनाती नजर आती है। आइए आपको दिखाते हैं नोरा के लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें।

अखरोट से बनाएं 2 शानदार रेसिपीज

आज दुनियाभर में कोरोना वायरस फैला हुआ है। इससे बचने के लिए इम्यूनिटी स्ट्रांग करने पर सबसे ज्यादा जोर दिया जा रहा है। ताकि इस संक्रमण की चपेट में आने से बचा जा सके हैं। इसके लिए ड्राई फ्रूट्स खाना बेस्ट ऑप्शन है। ऐसे में आज हम आपके लिए गुणों से भरपूर अखरोट से 2 हैल्दी और टेस्टी डिशेज लेकर आए है जो बच्चे से लेकर बड़े हर कोई किसी को पसंद आएगी।

1. आटा वॉलनट कुकीज

सामग्री

आटा– 1 कप

अखरोट– 1 कप

बटर– 1/2 कप

कैस्टर शुगर– 1/2 कप

बेकिंग पाउडर– 1/2 छोटा चम्मच

कॉफी पाउडर– 1/2 छोटा चम्मच

च्नदरंइज्ञमेंतप

विधि

– एक बाउल में मक्खन और कैस्टर शुगर ब्लेंडर से ब्लेंड करें।

– अलग बाउल में छन्नी से आटा, बेकिंग पाउडर और कॉफी पाउडर छान लें।

– दोनों मिश्रण को एक साथ मिलाकर डो तैयार करें।

– तैयार मिश्रण से गोलाकार की बॉल्स बनाकर टिक्की का आकार दें।

– ऊपर अखरोट लगाएं।

– अब कुकीज को 180 डिग्री सेल्सियस पर 15 से 20 तक बेक करें।

– आपकी कुकीज बनकर तैयार है इसे चाय या कॉफी के साथ सर्व करें।

2. बनाना वॉलनट लस्सी

सामग्री

केला– 1/2

अखरोट– 3–4

दही– 1 कप (कम फैट वाला)

अलसी के बीज– 1 छोटा चम्मच

खसखस– 1 छोटा चम्मच

शहद– 1–2 छोटा चम्मच

गार्निश के लिए

अखरोट– 1 छोटा चम्मच (बारीक कटा)

बर्फ– 2–3 क्यूब्स

विधि

– मिक्सर में सभी चीजें डालकर स्मूद और क्रीमी बनाएं।

– इसे गिलास में भरें।

– ऊपर से अखरोट और बर्फ से गार्निश करके सर्व करें।

जिद्दी झाइयां होगी गायब, जब आलू दिखाएगा कमाल तो क्यों खर्च करने महंगी क्रीम पर पैसे?

तेज धूप चेहरे पर पड़ने से स्किन खराब होने लगती है। इसके कारण चेहरा नमी खोने लगता है। वहीं कुछ महिलाओं को झाइयों की समस्या होनी लगती है। चेहरे पर पड़ी झाइयां खूबसूरती पर दाग डालने का काम करती है। वैसे तो इसे दूर करने के लिए बाजार से अलग–अलग क्रीम व कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स मिलते हैं। मगर आप घर पर आलू से ही इसका फेसपैक बना कर लगा सकती है। जी हां, खाने में सब्जी का स्वाद बढ़ाने वाला आलू खूबसूरती निखारने का भी काम करता है। तो चलिए जानते हैं इस फेसपैक को बनाने व लगाने का तरीका..

सामग्री

आलू– 1 बड़ा चम्मच (उबला हुआ)

मैदा– 1 बड़ा चम्मच

शहद– 1 बड़ा चम्मच

विधि

– एक कटोरी में तीनों चीजें लेकर मैश करें।

– इसका स्मूद सा पेस्ट बनाएं।

– पेस्ट गाढ़ा लगने पर इसमें थोड़ा गुलाब जल या पानी मिलाएं।

– फिर इसमें शहद मिलाएं।

– तैयार मिश्रण को 5– 10 मिनट तक अलग रख दें।

ऐसे लगाएं

– चेहरे को गुलाब जल से या फेसवॉश से साफ करें।

– अब पैक चेहरे पर लगाएं।

– झाइयों वाली जगह पर इस पैक मोटी परत लगाएं।

– इसे 15 मिनट या सूखने तक लगाएं।

– बाकी के फेसपैक को फ्रिज में रख दें। आप इसे 1 बार और आसानी से इस्तेमाल कर सकती है।

– अब हल्के हाथों से चेहरे की मसाज करते हुए इस पैक को उतारें।

–बाद में ताजे पानी से चेहरा धोएं।

– अब चेहरे को साफ करके इसपर एलोवेरा जेल से मसाज करें।

च्नदरंइज्ञमेंतप

हफ्ते में 3 दिन इस फेसपैक को लगाएं। ध

पैक लगाने के बाद साबुन या फेसवॉश से चेहरा न धोएं।

फायदा

– यह फेसपैक स्किन की गहराई से सफाई करके पुरानी से पुरानी झाइयां साफ करने में मदद करेगा।

– चेहरे पर पड़े दाग– धब्बे, पिपंल्स दूर होंगे।

– आलू सनैटन की समस्या दूर करके चेहरे पर ब्लीच की तरह काम करेगा।

. झुर्रियां कम होने में मदद मिलेगी।

– स्किन को गहराई से पोषण मिलने से लंबे समय तक नमी बरकरार रहेगी।

नोट– स्किन को अंदर से निखारने के लिए अच्छी डाइट भी लें।

आंखों की सूजन से हैं परेशान? काम आएंगे ये आसान से घरेलू नुस्खे

आंखों के नीचे सूजन यानि पफी आईस (च्नलि म्लमे) की समस्या आजकल आम देखने को मिलती है। देर तक काम करने, गलत खानपान, टेंशन या भरपूर मात्रा में नींद ना लेने से आंखों के नीचे सूजन आने लगती है। आंखों की सूजन दूर करने के लोग क्या कुछ नहीं करते लेकिन आप कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर भी इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिससे बिना किसी साइड–इफैक्ट के आपकी प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

खीरा

खीरे को छोटी–छोटी स्लाइस में काटकर आंखों पर ठंडा करके लगाएं। इससे आखों को ठंडक पहुंचती है और सारी थकान दूर हो जाती है। साथ ही एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होने के कारण इससे डार्क सर्कल्स भी दूर हो जाते हैं।

एलोवेरा जेल

एंटी–इंफ्लेमेंट्री गुण होने के कारण एलोवेरा जेल भी पफी आईस से जल्दी छुटकारा दिलाती है। इसके लिए एलोवेरा जेल को फ्रिज में ठंडा करके कुछ मिनट के लिए आंखों के नीचे रखें। इससे सूजन गायब हो जाएगी।

चम्मच से दूर करें पफी आईज

एक चम्मच को फ्रिज में रखकर थोड़ी देर ठंडा कर लें। अब इसे आंखों पर रखकर हल्के–हाथों से दबाएं। इस प्रोसेस को 2 से 3 बार रिपीट करें। इससे पफी आईज की समस्या दूर होगी।

आलू की स्लाइस से करे आँखो की सूजन दूर

आलू की पतली स्लाइल काटकर फ्रिज में रख दें। ठंडा होने के बाद उसे आंखों पर 10–15 मिनट तक रखें। इसकी ठंडक से आंखों की सूजन मिनटों में गायब हो जाएगी। आप चाहे तो आलू के रस को ठंडा करके भी लगा सकते हैं।

ग्रीन टी बैग

दो ग्रीन टी बैग को पानी में उबाल लें। फिर इसे ठंडा करके 5–10 मिनट तक आंखों पर रखें। इससे ना सिर्फ सूजन दूर होगी बल्कि रोजाना ऐसा करने से डार्क सर्कल्स से भी निजात मिलेगी।

भरपूर पानी पिएं

पफी आईज से छुटकारा पाने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं। इससे बॉडी व त्वचा हाइड्रेट रहेगी। दिनभर में 8–9 गिलास पानी पीने के साथ रात को सोने से पहले और सुबह उठने के बाद 1 गिलास जरूर पिएं।

गुलाब जल और बादाम पीसकर बनाएं नाइट क्रीम, चेहरे पर आएगा गुलाबी निखार

गर्मियों में तेज धूप के संपर्क में आने से स्किन संबंधी समस्याएं होना आम बात है। ऐसे में इससे बचने के लिए स्किन केयर में खास चीजें यूज करने की जरूरत होती है। वहीं लड़कियां दिन के समय तो चेहरे की देखभाल अच्छे से कर लेती है। मगर सोने से पहले इसपर ज्यादा ध्यान नहीं देती है। इसके कारण स्किन समय से पहले ही बूढ़ी व बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में आज हम आपको नेचुरल चीजों से तैयार नाइट क्रीम बनाना व लगाना सिखाते हैं। सिर्फ इस क्रीम को लगाकर ही आपके चेहरे पर गुलाबी व बेदाग निखार आएगा।

तो आइए जानते हैं इस नाइट क्रीम के बारे में...

सामग्री

बादाम– 15–16

गुलाब जल– आवश्यकता अनुसार

विधि

– एक कटोरी में गुलाब जल डालकर उसमें बादाम रातभर भिगोएं।

– सुबह को गुलाब जल से अलग करके छील लें।

– अब नया गुलाब जल लें।

– फिर दोनों चीजों को मिक्सी में पीस लें।

– अब तैयार मिश्रण को छन्नी से छान लें।

– आपकी नाइट क्रीम बन कर तैयार है।

– इसे फ्रिज में स्टोर करें। इस आप 8–10 दिनों तक इस्तेमाल कर सकती है।

नोटः आप छन्नी पर आए पेस्ट को किसी भी फेसपैक में मिला सकती है।

ऐसे करें इस्तेमाल

– सबसे पहले चेहरे को गुलाब जल से साफ करें।

– फिर इस नाइट क्रीम को 5–10 तक मसाज करते हुए चेहरे पर लगाएं।

– रातभर इसे लगा रहने दें।

– सुबह चेहरे को धोएं।

– डेली रूटीन में इस क्रीम को लगाएं।

फायदा

– यह एंटी–एजिंग का काम करेगा। ऐसे में झुर्रियां कम होने में मदद मिलेगी।

– आंखों नीचे काले घेरे दूर होंगे।

– पिंपल्स, दाग–धब्बे साफ होकर चेहरा पर ग्लो आएगा।

– स्किन टोन साफ होकर चेहरे पर गुलाबी निखार आएगा।

हिन्दी दैनिक

अमिट रेखा

7

कुशीनगर बुधवार, 12 मई 2021

योगी के नेतृत्व में यूपी में एग्रेसिव टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट की नीति पर हो रहा काम, मिल रहे अच्छे परिणाम

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव 'सूचना' नवनीत सहगल ने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में एग्रेसिव टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट की नीति पर कार्य करने से कोविड संक्रमण के नियंत्रण में अच्छे परिणाम मिल रहे है। उन्होंने बताया कि 01 मई, 2021 को प्रदेश में कुल एक्टिव केसों की संख्या 3,01,833 थी, जो लगभग 77,000 घटकर आज 2,25,271 हो गयी है। इसी तरह प्रदेश में नये मामलों की संख्या 01 मई, 2021 के 30,317 से घटकर आज 21,331 हो गयी है। प्रदेश में 01 मई को 2 लाख 79 हजार लोग होमआइसोलेशन में थे जिनकी संख्या घटकर 1 लाख 66 हजार हो गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोविड–19 के प्रतिदिन 2 लाख से अधिक टेस्ट किये जा रहे है। सहगल ने बताया कि सर्विलान्स के माध्यम से घर घर जा कर लोगों से कोविड के लक्षणों की जानकारी ली जा रही है। सर्विलान्स के माध्यम से प्रदेश में अब तक 16.66 करोड़ से अधिक लोगों तक

पहुंच कर उनका हाल–चाल जाना गया है। उन्होंने बताया कि सर्विलान्स के साथ–साथ 97 हजार राजस्व गाँवों में लोगों से सम्पर्क करते हुए कोविड लक्षणयुक्त लोगों की पहचान कर उनका कोविड टेस्ट तथा उन्हें मेडिकल किट प्रदान की जा रही है। गाँव में निगरानी समिति के द्वारा गाँव में रहने वाले लोगों से सम्पर्क कर कोविड लक्षणों की जानकारी ली जा रही है। कोविड लक्षण मिलने वाले लोगों की आरआरटी टीम द्वारा एन्टीजन कोविड टेस्ट किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गाँव में संक्रमणयुक्त लोगों को होमआइसोलेशन में रखने के लिए गाँव में ही पंचायत भवनध्स्कूलध्सरकारी इमारतों में आइसोलेट करके उनका उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 से 44 वर्ष के आयु के लोगों के साथ–साथ 45 वर्ष से अधिक लोगों का कोविड वैक्सीनेशन किया जा रहा है। जिसके तहत अब तक 1 करोड़ से अधिक डोज लगाए जा चुके हैं। 18 से 44 वर्ष के आयु के लोगों के वैक्सीनेशन 7 जनपदों से बढ़ाकर अब 18 जनपदों में किया जा रहा है। सहगल ने बताया कि मुख्यमंत्री जी द्वारा कल वाराणसी में कोविड–19 के सम्बन्ध में समीक्षा की गयी एवं डीआरडीओ द्वारा निर्मित कोविड अस्पताल का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये गये है। इसी क्रम में आज मुख्यमंत्री जी द्वारा गोरखपुर में एम्स तथा बीआरडी मेडिकल कॉलेज की समीक्षा एवं निरीक्षण किया गया है। आज ही मुख्यमंत्री जी अयोध्या में कोविड–19 की समीक्षा कर रहे है तथा मौके पर जाकर निरीक्षण करेगें। सहगल ने बताया कि प्रदेशव्यापी आंशिक कोरोना कर्फ्यू के सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। आंशिक कोरोना कर्फ्यू में वैक्सीनेशन, औद्योगिक गतिविधियों, मेडिकल सम्बन्धी कार्य आदि आवश्यक अनिवार्य सेवाएं यथावत जारी रहेंगी। आंशिक कोरोना कर्फ्यू की अवधि में पूरे प्रदेश के शहरों और गांवों में विशेष सफाई एवं फॉगिंग अभियान चलाया जा रहा है। सहगल ने बताया कि प्रदेश में कोविड बेडों की संख्या निरन्तर बढ़ायी जा रही है। इसी क्रम में नॉन आक्सीजन बेड को आक्सीजनयुक्त बेड में बदला जा रहा है। उन्होंने बताया कि अस्पतालों में आक्सीजन प्लांट लगाये जा रहे है। साथ ही 21,000 आक्सीजन कन्संटेटर खरीदे जा रहे है। कल अस्पतालों में 1003 मीट्रिक टन आक्सीजन की सप्लाई की गयी है। उन्होंने बताया कि होमआइसोलेशन के मरीजों को आक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए प्रत्येक जनपद में एक रीफिलर नामित किया जायेगा। सहगल ने बताया कि प्रदेश में औद्योगिक इकाइयां तेजी से चलायी जा रही हैं। लगभग 08 लाख से अधिक पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों द्वारा मजदूरों को काम दिया जा रहा है। इन औद्योगिक इकाइयों में कोविड हेल्प डेस्क बनाये गये हैं। इसके अलावा जिन औद्योगिक संस्थानों में 50 से अधिक कर्मचारी कार्य कर रहे ऐसे औद्योगिक संस्थानों में कोविड केयर सेंटर बनाया गया है। जिससे वहां पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को समय से इलाज मिल सके। सहगल ने बताया कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के लिए कृतसंकल्प है और किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उनकी फसल को खरीदे जाने की प्रक्रिया कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए तेजी से चल रही है। 01 अप्रैल से 15 जून, 2021 तक गेहूं खरीद का अभियान जारी रहेगा। गेहूं क्रय अभियान में अब तक 20,24,876. 54 मी0 टन गेहूँ खरीदा गया है, जो विगत वर्ष से दुगुना है।

लार क्षेत्र की जनता माँगें कोविड हास्पिटल

अमिट रेखा मेहरौना लार। लार क्षेत्र के 72 गाँवों में आजकल कोरोना अपने चरम पर है।सैकड़ों लोग उचित ईलाज के अभाव में में तड़पकर दम तोड़ दिए तो बहुत सारे लोग डर के मारे या आर्थिक अभाव में जिला अस्पताल नहीं पहुँच पाये और कालकल्वित हो गए।लगभग 15 दिन पहले से ही लार के 30 शैय्या के प्रसूति विंग को कोविड हास्पिटल के रुप में चलाने की मांग शासन–प्रशासन से की जा रही है क्योंकि यह जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर स्थित है।जिसके फलस्वरुप सलेमपुर विधायक ने श्री काली प्रसाद ने अपनी निधि से 30 लाख रुपए आवंटित कर दिये हैं जो सराहनीय है लेकिन वो पैसा अभी भी विकास अधिकारी तक नहीं पहुँच पायी है। वरना रुद्रपुर की तरह लार को भी कोविड हास्पिटल बनाने का आदेश जारी कर दिया गया होता।लार में कोविड हास्पिटल बनाने की शुरुआती मांग करने वाले लोगों में प्रसेन जीत सिंह,देवेन्द्र सिंह,एन डी देहाती,अजेश पांडेय,दिनेश कसेरा,बलवीर सिंह सहित दर्जनों लोगों ने आवाज उठायी और जैसे ही आज रुद्रपुर कोविड हास्पिटल बनाने की सूचना वायरल हुई तो न्यूज 18 उ.प्र के एडीटर सत्येंद्र यादव,हिंदू युवा वाहिनी के जिला मंत्री अरुण कुमार सिंह,लार युवा मोर्चा के महामंत्री सहित पुनः दर्जनों लोगों ने मुख्यमंत्री एवं उनके सलाहकार शलभ मणि त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारियों से ट्वीट कर लार को कोविड हास्पिटल बनाने की माँग की है।

आंधी पानी से सैकड़ों पेड़ गिरने से कही कही आवागमन में भी पडा बाधा

अमिट रेखा दिनेश गुप्ता तहसील प्रभारी

देवरिया। खुखुन्ध्दू थाना क्षेत्र अंतर्गत आई आधी पानी से सैकड़ों पेड गिर गये। घंटों रास्ते बंद रहे, ग्रामीणों के सहयोग से रास्तों को खाली कराया गयास रास्ते के जाम को खाली करने में ग्रामीणों का अहम भूमिका रही, पेड़ों के गिरने से बिजली के खंभे व तार भी गिर गए जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित रही। रविवार की रात जनपद में आई भयंकर आंधी और पानी से सैकड़ों पेड़ सड़कों पर गिर गये। खुखुन्ध्दू थाना क्षेत्र के अंतर्गत खुखुन्ध्दू बाजार से नूनखार तक चार किलोमीटर की दूरी में आधा दर्जन पेड गिरने से खुखुन्ध्दू नूनखर मार्ग घंटो जाम रहा। ग्रामीणों के सहयोग से रास्ते से पेड को काटकर हटाया गयास पेड़ों के गिरने से बिजली के खंभे व तार टूट कर गिर गएस जिससे सोमवार के दिन दिन भर विद्युत आपूर्ति ठप रहीस गरीबों के आशियाने उड़ गए जो टेन्ट में रहते हैं। प्राप्त समाचार के अनुसार नूंनखार, सिसई, जैतपुरा, पडरी झिलीपार, कमहरिया, पडरी बाजार, खजूरी, खुखुन्ध्दू, भटहर, मरहवा, मझवलिया, सझवलिया, परसिया मिश्र आदि गांव में पेड़ों के गिरने से भारी क्षति हुई हैस गरीब के कट्रेन व नट समूदाय का टेंट उजड़ गयास

लांकलाउन में फरेंदा सिओ सुनील दत्त दूबे ने खोजी अच्छी पहल

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महराजगंज। एक तरफ कोरोना महामारी से पूरा देश जूझ रहा है, लेकिन फिर भी कुछ लोग लॉकडाउन की ध ाज्जियां उड़ा रहे है और बिना किसी आवश्यक कार्य से बाहर निकल रहे हैं। ऐसे लोगों पर लगाम लगाने के लिए महाराजगंज जिले के फरेंदा सीओ ने एक अनोखी पहल खोज ली है । डिप्टी एसपी सुनील दत्त दूबे ने कोल्हूई कस्बे के लोटन तिराहे पर पहुंच कर अनावश्यक रूप से घूम रहे लोगों को रोड किनारे बैठाकर एक कॉपी और पेन देकर 100 बार लिखवाया कि अनावश्यक रूप से कभी घर से बाहर नही निकलेंगे आवश्यक काम पर ही घर से बाहर निकलेंगे । लॉकडाउन का पालन करने संबंधित बाते लिखवाई गई है। इस दौरान कुछ लोगों ने बहाने भी बनाए लेकिन सीओ ने पूछताछ कर जो लोग अनावश्यक रूप से बाहर निकले थे उनको सजा दी है। बता दें कि उत्तर प्रदेश में कोरोना के कहर को देखते हुए लॉकडाउन को 17 तारीख सुबह 7 बजे तक कर दिया गया है। इस दौरान लोगों से बिना आवश्यक के बाहर ना निकलने के लिए अपील की गई है। इसके बाद भी लोगों की बड़ी लपारवाही सामने आ रही है।

नव निर्वाचित प्रधान प्रतिनिधी महुलानी महेश शर्मा ने पूरे गांव में सेनेटाइज

अमिट रेखा – दुर्गेश कुमार यादव

धानी – महराजगंज। कोरोना के भीषण कहर को देखते हुए बृजमनगंज क्षेत्र के महुलानी गांव के नव निर्वाचित ग्राम प्रधान बबिता शर्मा ने ग्रमीणों के हित में पूरे ग्राम पंचायत को सेनेटाइज करवाया। वर्तमान समय मे ग्रामीण कॅरोना के डर और हो रही मौतों से लोग बहुत सहमे हुए है।ऐसे में महुलानी गाँव के समस्त 17 टोले के प्रत्येक गलियों में सेनेटाइज का कार्य होने से ग्रमीण लोगो ने ग्राम प्रधान को धन्यवाद दिया। सेनेटाइज का कार्य रविवार से शुरू हुआ जो मंगलवार को समाप्त हुआ। प्रधानप्रतिनिधि महेश शर्मा ने कहा ग्राम सभा के लोगो की सेवा में हर एक सम्भव प्रकार हाजिर रहने का कार्य करूंगा।इस अवसर पर रामफेर प्रजापति,राहुल यादव,विनोद यादव,संतराम शर्मा, जितेंद्र, कयूम खान,सुरेश विश्कर्मा, राम नवल शर्मा, सहित बहुत से लोग मौजूद रहे

प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत प्राइवेट अस्पतालों में चल रही खूनी खेल

अमिट रेखा – प्रदीप कुमार श्रीवास्तव

कुशीनगर। जनपद के तमकुही रोड के नगर पंचायत सेवरही के वार्ड न० 1 मे अवैध रूप से चल रहे मेट्रो हॉस्पिटल में

दिनांक11ध्05ध्2021ध्को प्रमीला देवी उम्र 21 वर्ष पत्नी सुनिल चौहान ग्राम राजपुर बगहा थाना सेवरही जनपद कुशीनगर मे प्रसव कराने हेतु मेट्रो हास्पिटल मे अपने के परिवार वालो के साथ पहुची थी ।झोलाछाप डाक्टरों ने मरीज को एडमिट कर लिया.और.अनाड़ी डाक्टरों के माध्यम ईलाज करने सुबह आठ से दोपहर तीन बजे तक इलाज किया।,और.जच्चा बच्चा के मृत्यु हो जाने पर मौके से मेट्रो हास्पिटल के प्रबंधक व मरीज का कर रहे इलाज झोला छाप डाक्टर हास्पिटल छोड़कर फरार हो गए।मृतक प्रमिला देवी के परिजनों ने स्तिथि देखकर शोर करने लगे ।परिवार वालो के सूचना देने थानाध्यक्ष एम पी चतुर्वेदी,सेवरही कस्बा ईचार्ज पुरषोत्तम राव मय फोर्स घटना स्थल पर पहुंच शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल कुशीनगर को भेज दिया मौके काफी भीड़ इकट्ठा हो गई थी थानाध्यक्ष सेवरही ने समझा बुझाकर भीड़ को हास्पीटल से हटाया मौके पर स्वास्थ्य विभाग, तहसील स्तर के अधिकारी नहीं पहुंचे थे ।मौके पर एस आई समरजीत सिंह। ,एस आई शमशेर यादव ,उमेश कुमार,एस आई सुनिल सिंह, कास्टेबल रमेन्द्र यादव,सरोज,महिला कास्टेबल, रुकमणी मिश्रा ,साक्षी सिंह इत्यादि पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद रहे।

21 मई के बाद से सभी कार्ड धारकों को फ्री में राशन, प्रति यूनिट पांच किलो मिलेगा अनाज

अमिट रेखा शक्ति ओम सिंह

खजनी गोरखपुर। कोरोना काल में सभी राशन कार्ड धारकों को 21 मई के बाद से मुफ्त राशन वितरित किया जाएगा। मई और जून दो माह मुफ्त में राशन देने का शासनादेश जिला आपूर्ति अधिकारी के पास आ चुका है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत मुफ्त में राशन का वितरण मई के दूसरे चक्र यानि 21 से 25 मई के बीच शुरू होगा। इस योजना के तहत जिले में 11 लाख से अधिक राशन कार्ड धारकों को मुफ्त में राशन मिलेगा। लगभग 88 हजार अंत्योदय राशन कार्ड धारकों की संख्या है। 10.50 लाख से अधिक पात्र गृहस्थी वाले कार्ड ध ारकों की संख्या है। प्रति यूनिट पांच किलो राशन वितरित किया जाएगा। दो किलो चावल और तीन किलो गेहूं मिलेगा। जिला आपूर्ति अधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि वितरण के लिए राशन आवंटित हो चुका है। कोटेदार राशन का उठान भी शुरू कर दिया है। नियमित राशन 18 मई तक वितरित होगा उसी के दूसरे दिन से मुफ्त का राशन कार्ड धारकों को वितरित किया जाएगा।

योजना के तहत नहीं मिलेगा चना

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत पिछले वर्ष प्रति यूनिट पांच किलो गेहूं और चावल के अलावा प्रत्येक कार्ड धारक को एक किलो चना देने की व्यवस्था थी लेकिन इस बार चना का इंतजाम नहीं है। सभी कार्ड धारकों को गेहूं और चावल वितरित किया जाएगा। कोरोना काल में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत राशन वितरण में लापरवाही करने वाले कोटेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला आपूर्ति अधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि कोरोना काल में कोई राशन के लिए परेशान न हों जिसके लिए योजना शुरु की गई है। राशन देने में मनमानी करने की शिकायत कार्ड धारक की ओर से की जाएगी तो कोटेदार के खिलाफ विभागीय कार्यवाही के अलावा कोटा निरस्त करने की भी कार्रवाई की जाएगी।

समाजवादी पार्टी के विधायकों और नेताओं ने किया कोरोना नियमों का उल्लंघन, मामला दर्ज

लखनऊ। कोविड–19 संबंधी नियमों का उल्लंघन करने और प्रशासन की अनुमति के बिना बैठक करने के आरोप में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) के एक विधान परिषद सदस्य एवं एक पूर्व विधायक सहित 35 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर सिंह ने बताया कि जिले के अजगैन कोतवाली क्षेत्र में स्थित गीता गार्डन होटल में एक पार्टी के लोगों ने आठ मई को बैठक की थी, जिसमें 35 लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि यह

कोविड–19 संबंधी नियमों और जिले में लागू सीआरपीसी की ध ाारा 144 का उल्लंघन है। इसी आधार पर अजगैन कोतवाली में मामला दर्ज किया गया है। सिंह ने बताया कि सपा अधिकारियों ने अनुमति के बिना कानपुर–लखनऊ राजमार्ग पर स्थित गीता गार्डन में बैठक की थी, जिसमें जिला पंचायत के पार्टी समर्थित निर्वाचित अधिकतर सदस्य और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी शामिल हुये थे। पुलिस के अनुसार, इस बैठक के आयोजन को लेकर 35 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, जिनमें से होटल गीता गार्डन के मालिक सुनील गुप्ता, सपा के विधान परिषद सदस्य सुनील सिंह साजन, पूर्व विधायक उदयराज यादव, जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र यादव, सपा नेता अरुण शंकर उर्फ अन्ना शुक्ला, अशोक चंदेल, अनिरुद्ध चंदेल एवं सेवकलाल रावत के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया गया है।

बड़ा खुलासाः एसएसबी के जवान ने रची थी खौफनाक साजिश, फिर चाचा–भतीजे का कत्ल।

मोदी के कारण ही पूरी दुनिया कोविड संकट में भारत की मदद कर रही है: राजनाथ

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को लखनऊ में एचएएल की मदद से तैयार किए गए 255 बेड के अस्पताल और डीआरडीओ की मदद से तैयार किए गए 550 बेड के अस्पताल का निरीक्षण किया। इस मौके पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र की मोदी सरकार के

प्रयासों का ही परिणाम है कि आज जब भारत में कोविड का संकट गहरा रहा है तो भारत की मदद करने के लिए दुनिया भर के देश आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड को एक चुनौती की तरह लिया है और इसे नियंत्रित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को लखनऊ में एचएएल की मदद से तैयार किए गए 255 बेड के अस्पताल और डीआरडीओ की मदद से तैयार किए गए 550 बेड के अस्पताल का निरीक्षण किया। इस मौके पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे। उन्होंने प्रदेश सरकार की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड–19 की चुनौती का सामना करने में जितनी तत्परता दिखाई है। उसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। उन्होंने आगे जोड़ा कि खामियां किसी में भी हो सकती हैं पर यह भी सच है कि चूक उसी से होगी जो कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि कोविड–19 को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों की विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सराहना की है। जो कि छोटी बात नहीं है। प्रदेश सरकार द्वारा कोविड–19 की चुनौती का पूरी जिम्मेदारी से सामना किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी बोले, जीवन और जीविका को बचाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना से निपटने में राज्य सरकार द्वारा की जा रही तैयारियों का जिक्र मीडिया को संबोधित करते हुए किया। उन्होंने कहा कि लखनऊ में डीआरडीओ की मदद से 500 बेड का एक अस्पताल अवध शिल्पग्राम में प्रारंभ किया गया है।

सेनेटाइज कराने एवं चिकित्सक टीम भेजने की मांग

अमिट रेखा शक्ति ओम सिंह

खजनी गोरखपुर। बेलघाट–गोरखपुर के दक्षिणांचल में स्थित विकास खण्ड बेलघाट के ग्राम पंचायत मनिकापार में कई घरों में लोग विमार चल रहे हैं तथा एक महीने के अन्दर कई लोगों की आसमयिक मृत्यु हो जाने से लोग कोरोना संक्रमण की आशंका से भयभीत हैं।अभी तक वहाँ कोई चिकित्सीय टीम या जांच टीम नहीं आयी है।मरने वालो में रघुनाथ मौर्य 48 वर्ष, इसरावती 55 वर्ष, जग्गू प्रसाद 62 वर्ष,सोनमती 60 वर्ष, नन्दलाल 48 वर्ष,भगवानदास 45 वर्ष के साथ ही निकट गाँव के कई लोग शामिल है जो लगभग दो सौ मीटर की परिधि में निवास करते थे। प्रधानसंघ बेलघाट के उपाध्यक्ष अरुण कुमार दूबे ने शासन से ग्राम पंचायत मनिकापार एवं सटे कोरोना प्रभावित ग्राम पिपरसण्डी में चिकित्सक टीम भेजने के साथ ही पूरे ग्राम पंचायत का सैनेटाइज कराकर लोगों का टीकाकरण कराने की मांग की है।उन्होने जनता से लाक डाउन के आदेशों का पालन करने, मास्क उपयोग के साथ ही सोसल डिस्टेंसिंग बनाए रखने का अनुरोध किया है।

ससुराल गये युवक का बोरे मे कसा मिला शव

अमिट रेखा – रमाशंकर सिंह

कुशीनगर। कुशीनगर जनपद के, तमकुहीराज सीओ सर्किल क्षेत्र के तरयासुजान, थाना क्षेत्र के गोपालपुर मे तीन दिन ससुराल आये युवक की हत्या कर शव को बोरे मे कस कर एक गन्ने के खेत मे गाड दिया गया था । बताते चलें कि, तरयासुजान पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर शव को निकलवा कर अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के,लिए तैयारी कर रही है ।सनद रहे कि, तरयासुजान थाना क्षेत्र के भगवानपुर का निवासी बताया गया ।क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि युवक की हत्या ससुराल वाले ही,अंजाम दे दिया और, शव को छुपाने के लिए एक गन्ने के खेत मे गाड, दिया है ।उल्लेखनीय है कि मौके पर पहुचे अपर पुलिस अधीक्षक, अयोध्या प्रसाद सिंह ने मृतक के,परिजनों को ढांढस बंधाया और तत्काल अभियुक्तो के गिरफ्तारी का भरोसा, दिलाया है।

कुशीनगर जनपद मे कोबिड अस्पताल नहीं बना तो आन्दोलन होगा:रामचन्द्र सिंह

अमिट रेखा रमाशंकर सिंह

कुशीनगर। जनपद कुशीनगर में कोविड अस्पताल बनवाने की माँग की गई। बताते चले इस समय पूरा देश कोविड–19 के पुनरू आगमन से एक भयानक दौर से गुजर रहा है जिसके वजह से असमय मृत्यु का तांडव लगातार देखने और सुनने को मिल रहा है जो मन को झकझोर कर रख दिया है। इस विषम परिस्थिति में जनपद कुशीनगर के जिला अस्पताल की हालत भी कुछ ठीक नही है। अभी बीते शानिवार को जिला अस्पताल में चार लोगों की मृत्यु होना अस्पताल पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। ग्रामीण और नगरीय इलाकों में भी इस महामारी का तांडव जारी है जिसके वजह से इन इलाकों में भी मृत्यु दर में लगातार बढ़ोत्तरी देखने को मिल रहा है जो एक चिन्ता और चिन्तन का विषय है। यदि समय से इसका निदान नही किया गया तो और भी लोग काल के गाल में समा जायेगें जिसकी क्षतिपूर्ति कभी किया नही जा सकता है। उक्त बाते भारतीय किसान यूनियन (अम्बवात्ता) की जिला इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने सूबे के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ को पंजीकृत डाक द्वारा एक पत्रक भेजते हुए अवगत कराया है। अपने पत्रक के माध्यम से जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने योगी जी से माँग किये है कि जनपद कुशीनगर मे एक कोविड अस्पताल की स्थापना जल्द कराया जाय। ग्रामीण स्तर पर पंचायत भवन, नगरीय स्तर पर नगर पंचायत भवन को अस्थाई कोविड अस्पताल में परिवर्तित कर बेड, आक्सीजन, दवाईयों के साथ साथ स्टाफ की ब्यवस्था कराया जाय जो जनहित में मिल का पत्थर साबित होगा।

उपचुनाव में श्रीमती मुन्नी देवी बसडिला खुर्द से प्रधान पद पर हुई निर्वाचित

– राज्य मंत्री बाल्टी बाबा ने दी जीत की बधाई

– प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र पांडे ने ग्राम सभा के मतदाताओं के प्रति जताया आभार तथा दी बधाई

अमिटरेखा – कृष्णा यादव

तरयासुजान – कुशीनगर। जनपद के ग्राम सभा बसडीला खुर्द मैं संपन्न हुआ, उपचुनाव का मतगणना आज मंगलवार को

खंड विकास कार्यालय सेवरही मैं संपन्न हुई ।मतगणना के दौरान पीठासीन अधिकारी तथा आर ,ओ,सेवरही ने मतगणना के उपरांत मतों की गिनती के आधार पर लगभग 250 वोटों से बसडीला खुर्द के प्रधान प्रत्याशी मुन्नी देवी पत्नी विनोद पांडे को मेहरून्निसा पत्नी मंसूर के मुकाबले मुन्नी देवी को विजयी, प्रत्याशी घोषित किया ।इस प्रकार मुन्नी देवी पांडे ने प्रधान पद की कुर्सी पर अपना कब्जा जमा लिया। खबर मिलते ही गांव में खुशियों का माहौल उमड पड़ा नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान मुन्नी देवी के दरवाजे पर लोगों की चहल कोल शुरू हो गए इसी बीच निर्वाचित प्रधान के पति विनोद पांडे ने बसडिला खुर्द मैं उत्तर प्रदेश के यूपी एग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन के चेयरमैन राज्यमंत्री जगदीश मिश्र और बाल्टी बाबा के आवास पर पहुंच कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस जीत की लहर की खुशी आज पूरे गांव में देखी जा रही है। पूर्व प्रधान व प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र पांडे ने ग्राम सभा बसडीला खुर्द के सभी मतदाता बंधुओं को नमन करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

डीएम ने की आईएमए पदाधिकारियों के साथ जूम मीटिंग

– आईएमए कोविड मरीजों के इलाज में हर संभव करें सहयोग

– कोविड इलाज में सभी के सहयोग एवं भूमिका की अपेक्षा की

– संसाधनयुक्त निजी अस्पतालो में कोविड मरीजों का भी करें इलाज

– मरीजों का इलाज करना, उनकी जान बचाना है एक मानवीय व पुनीत कार्य–डीएम

अमिटरेखा देवरिया ब्यूरो

जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन जनपद में कोविड मरीजों के इलाज समुचित तरीके से किये जाने एवं संसाधनो को विकसित किये जाने के लिये काफी प्रयत्नशील हैं। उनके द्वारा कोविड संक्रमण के प्रभावी रोकथाम, मरीजों के इलाज के समुचित प्रबंधन के लिये नित्य नवीन पहल किये जाते है। उनका प्रयास है कि जनपद में कोविड मरीजो का इलाज समुचित व सही रुप से हो, सबके इलाज की सुविधाये मिले, इसके लिये उनके द्वारा व्यवस्थाओं को और मजबूत किये जाने का कार्य किया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में उन्होने आज आईएमए के पदाधिकारियों, चिकित्सको के साथ जूम मीटिंग की और उनसे इस कोविड महामारी के रोकथाम एवं मरीजो के इलाज में हर संभव सहयोग की अपेक्षा की। जिलाधिकारी ने कहा कि मरीजो का इलाज करना, उनकी जान बचाना एवं जन–जन को स्वस्थ रखना एक अत्यन्त पुनीत कार्य है। इसमें सभी की भागीदारी अहम है। इसलिये आईएमए के सभी चिकित्सक इस पुनीत कार्य से जुडे और मरीजों के इलाज में अपनी भागीदारी निभायें। उन्होने आईएमए के पदाधिकारियों से अपेक्षा करते हुए कहा कि वे अपने अस्पतालो में जिसमें वेन्टीलेटर, आईसीयू आदि की सुविधाये उपलब्ध है, उसे कोविड अस्पताल के रुप में विकसित करे एवं कोविड मरीजो को भर्ती कर उनका इलाज करें। उन्होने यह भी कहा कि अपने अस्पतालो में मरीजों को देखे और उनका इलाज करें। उन्होने कोविड प्रोटोकाल का भी पालन कराये जाने पर भी बल दिया। साथ ही निजी अस्पतालों में हेल्प डेस्क स्थापित करने। आने वाले मरीजोध्परिजनो को कोविड प्रोटोकाल के प्रति जागरुक भी किये जाने को कहा। उन्होने यह भी कहा कि लोगो को वह प्रेरित भी करें कि यदि किसी भी प्रकार का कोई लक्षण हो तो आरआरटी टीम, निगरानी टीम, आशा कार्यकर्तियों से सम्पर्क कर इलाज आदि की सुविधाओं का लाभ उठाते हुए अपना इलाज करायें। जिलाधिकारी ने टेलीमेडिसिन की सेवाओं को और बेहतर किये जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अधिक से अधिक चिकित्सक इससे जुडे और लोगो को टेलीमेडिसिन के माध्यम से चिकित्सकीय परामर्श दें। जो चिकित्सक इस सेवा से जुडना चाहते हो, वे अपने मोबाइल नम्बर को प्रचलित कर अपनी सुविधा अनुसार सेवा टेलीफोन के माध्यम से उपलब्ध करायें। यह भी कहा गया कि निजी चिकित्सक अपने पर्चियों पर कन्ट्रोल रुम के हंटिग नम्बर 05568–222505 की मुहर लगायें तथा अस्पतालों में उसे प्रदर्शित भी करें। मरीजो व परिजनो को इसके लिये प्रेरित भी करें कि यदि किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत हो तो एकीकृत कोविड कन्ट्रोल रुम के नम्बरों पर सम्पर्क करें। इसी क्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डा आलोक पाण्डेय ने कहा कि ऐसे चिकित्सक जो इस महामारी में वालंटियर के रुप में कोविड अस्पतालो में अपनी सेवा देने के इच्छुक हो वे आगे आये और कोविड अस्पतालों में राउण्ड आदि लगाये, मरीजो का इलाज अपनी स्वेच्छा से करें। हम सभी का प्रयास हो कि मरीजो का समुचित व समय पर इलाज हो। इस जूम मीटिंग में जिलाधिकारी के साथ सीडीओ शिव शरणप्पा जी एन, ज्वाईन्ट मजिस्ट्रेट सुमित यादव, एसीएमओ डा सुरेन्द्र सिंह, आईएमए के पदाधिकारियों में अध्यक्ष डा सत्येन्द्र तिवारी, मंत्री डा अविनाश सिंह, डा रणधीर सिंह, डा विपिन बिहारी शुक्ला, डा नागरथ, डा शोभा शुक्ला, डा नवेन्दु राय आदि जुडे रहे और हर संभव सहयोग हेतु आईएमए के पदाधिकारियों द्वारा आशवस्त भी किया गया।

मां-बाप ही निकले बेटी के हत्यारे, सिर पर डंडे से वार करके की गयी थी हत्या

अमिट रेखा – अजय तिवारी

नेबुआ नौरंगिया – कुशीनगर। नेपाल और बिहार बार्डर से सटे सोहगीबरवा के थाना क्षेत्र के मटियरवा गांव में ब्लाइंड मर्डर के एक केस का पुलिस ने खुलासा किया है। बोरे में भर कर फेंकी गई युवती की लाश के मामले में छानबीन के दौरान हत्यारोपित के रूप में माता–पिता ही पकड़े गए है। इसके बाद सोहगीबरवा पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करके सोमवार को जेल भेज दिया है। निचलौल क्षेत्र के सीओ डीके उपाध्याय ने बताया कि चार मई को सोहगीबरवा क्षेत्र के मटियरवा में बोरे में भरकर फेंकी गई एक युवती की लाश बरामद हुई थी। चौकीदार की सूचना पर थानाध्यक्ष सुनील वर्मा टीम के साथ मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवती के सिर पर चोट लगी थी। इसके अलावा गले में निशान था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का वजह सिर में चोट लगने के कारण बताया गया है और गले के निशान को मौत के बाद का बताया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर सोहगीबरवा पुलिस ने हत्या का केस दर्ज करके छानबीन शुरू की।

बेटी के अफेयर से नाराज थी मां

विवेचना के दौरान यह जानकारी सामने आई कि युवती का किसी के साथ अफेयर था। घटना वाले दिन मां इसके लिए बेटी को डांट–फटकार लगाई थी। दोनों में कहासुनी हुई थी। इसके बाद मां ने जामुन के डंडे से बेटी के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

आत्महत्या दिखाने की हुई थी साजिश

जिस समय मां–बेटी के बीच मारपीट हो रही थी, उसी दौरान युवती के पिता भी मौके पर पहुंच गए थे। मां के डंटे से बेटी की मौत देख पति–पत्नी घटना को दूसरी ओर मोड़ने की कोशिश की। इसके लिए मौत के बाद बेटी की दुपट्टे उसे उसका गला कसकर आत्महत्या दिखाने की कोशिश की गई, लेकिन दोनों शव को छिपाने के लिए उसे बोरे में भरकर घर के पीछे फेंक दिये। छानबीन में सभी साक्ष्य आने के बाद एसओ सोहगीबरवा सुनील कुमार वर्मा, कांस्टेबिल सुरेन्द्र वर्मा, अरविन्द पाल व महिला आरक्षी आकांक्षा सिंह ने सोमवार को मटियरवा पुलिस के पास हत्यारोपित केशव भारती व उसकी पत्नी फूला को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डंडा व दुपट्टा भी बरामद कर लिया गया। युवती के हत्याकांड में धारा 302, 201आईपीसी के तहत आरोपित माता–पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कोविड 19 के प्रभावी उपचार एवं रोकथाम हेतु

– समस्त नोडल अधिकारियों के साथ नियमित समीक्षा की आयोजित की गई बैठक

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी एस० राजलिंगम ने की ।बैठक के दौरान फोन लगातार बजती घंटियां, फोन को अटेंड करते अटेंडेंट, इन सब के बीच सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को निर्देशित करते डीएम। एक व्यस्तता का माहौल होता है कोविड कमांड कंट्रोल रूम का। जिलाधिकारी के निर्देशन में जिला प्रशासन तथा कोविड ड्यूटीरत कर्मचारी एवं अधिकारी लगातार दिन–रात एक किए हुए हैं जिससे कोविड के बढ़ते संक्रमण को किसी तरीके से रोका जा सके । जिलाधिकारी खुद भी कोविड से संक्रमित हुए लेकिन संक्रमण खत्म होने के बाद से लगातार कोविड संक्रमण से जनपद के लोगों को बचाने के लिए प्रयासरत हैं। सभी अधिकारियों से नियमित

रिपोर्ट ली जा रही है। नए टास्क आवंटित किए जा रहे हैं। कोविड हेल्प लाइन नंबर स्थापित किए गए हैं कि हर तरह से इस महामारी से मुकाबला किया जा सके ।इस संदर्भ में आज की बैठक में भी नियमित कोविड समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी लिंगम ने सर्विलांस टीम के डॉक्टरों की सूची मांगी, होम आइसोलेशन के मरीजों की स्थिति का रिपोर्ट लिया, कोविड टीम के पास थर्मामीटर ,दवा, पल्स ऑक्सीमीटर इत्यादि की उपलब्धता के बारे में जाना, कितने प्रवासियों का आगमन हुआ है , कंटेनमेंट जोन की क्या स्थिति है, कांटेक्ट ट्रेसिंग की स्थिति, ऑक्सीजन की स्थिति , कोविड हेल्पलाइन पर रोज कितनी शिकायतें आ रही हैं समाधान की दिशा में क्या किया जा रहा है इत्यादि बातों की जानकारी ली ।जिलाधिकारी ने कोविड ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले स्टाफ, वार्ड बॉय, इत्यादि के नाम ।मोबाइल नं०, पता का पूरा विवरण मांगा, आर०आर० टीम को बढ़ाने का निर्देश दिया, कांटेक्ट ट्रेसिंग को बढ़ाए जाने हेतु निर्देशित किया निगरानी समिति के माध्यम से दवा वितरण हेतु निर्देश दिया ।इस अवसर पर जिला अधिकारी एस० राजलिंगम के साथ–साथ मुख्य विकास अधिकारी अनुज मलिक , अपर पुलिस अधीक्षक अयोध्या प्रसाद सिंह , प्रभारी अपर जिलाधिकारी रामकेश यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नरेन्द्र गुप्ता समेत अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

सेवरही थानाध्यक्ष और चौकी इंचार्ज की पहचान कोरोना वारियर्स के रूप में

अमिट रेखा – मनीष तिवारी

पिपराघाट – कुशीनगर। सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन को हर हाल में सफल बनाने का किया जा रहा है द्य इस अथक प्रयास में कुशीनगर जिले के शिवखा रही। सेवरही थाना के थानाध्यक्ष महेंद्र चतुर्वेदी और चौकी इंचार्ज पुरुषोत्तम राव कोविड–19 के बढ़ते माहमारी में उनके द्वारा की जा रही सुरक्षा व्यवस्था के मध्य नजर दोनों व्यक्ति सुर्खियों में है। उनके इस नेक कार्य के लिए क्षेत्र की जनता के द्वारा उन्हें कोरोनावरियर्स के रूप में पहचान दिया जा रहा है।उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा जारी की गई । करोना गाइडलाइन की पालन प्रत्येक व्यक्ति के द्वारा किया जाए। इसके लिए थानाध्यक्ष और चौकी इंचार्ज दिन रात एक कर अपने–अपने थाना क्षेत्र में पुरजोर मेहनत कर रहे हैं। थानाध्यक्ष महेंद्र चतुर्वेदी और चौकी इंचार्ज पुरुषोत्तम राव थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस के द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग से लेकर मास्क,भीड़भाड़ वाले इलाके,दुकानों की खुलने की टाइमिंग सभी पर विशेष ध्यान पुलिस बल के द्वारा दिया जा रहा है। थानाध्यक्ष और चौकी इंचार्ज अपने थाना क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति, समाजसेवी तथा जनप्रतिनिधि से भी लगातार कर कह रहे हैं कि उनके द्वारा भी सुबे सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइन का पालन नियम संगत तरीके से किया जाए ।थानाध्यक्ष और चौकी इंचार्ज के द्वारा किया जा रहा नियम संगत कार्य वैश्विक महामारी में बहुत ही कारगर साबित हो रही है।थानाध्यक्ष महेंद्र चतुर्वेदी और चौकी इंचार्ज पुरुषोत्तम राव अपने इस कार्य से अपने थाना क्षेत्र के अलावा सीमावर्ती बिहार राज्य के भी कुछ इलाकों में चर्चा के विषय बने हुए हैं। इस दौरान चौकी इंचार्ज पुरुषोत्तम राव ने कहा कि कुछ व्यक्ति इस नगर पंचायत में। दुकान के आगे बैठकर चोरी छुपे बीच–बीच में दुकान खोल रहे हैं जिसके कारण उस दुकानदारों के ऊपर चालान भी किया जा रहा है।

जनता के सेवा में हमेशा रहूंगा तत्तपर:विजय प्रताप सिंह

– मैं जिला पंचायत के चुनाव में जनता के निर्णय का सम्मान करता हूँ

– क्षेत्र के लोगो के समस्याओ का निस्तारण का करूँगा हर सम्भव प्रयास

अमिट रेखा – रमाशंकर सिंह

कुशीनगर। मैं जनता के सेवा के लिये हमेशा रहूंगा तत्तपर ।मैं पार्ट टाइम पॉलिटिक्स नही करता बल्कि जनता के सेवा के लिये 24 घण्टे खड़ा हूँ।उक्त बातें जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्यासी रहे व निवर्तमान प्रधान संघ अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह ने प्रेस वार्ता के दौरान कहीं ।श्री सिंह ने आज मंगलवार को क्षेत्र के दर्जनों गांवो में भ्रमण कर अपने लोगो से कोरोना महामारी में सोसल डिस्टेंस बनाकर कुशल क्षेम जाने। आगे उन्होंने ने कहा कि जनता का सेवा व जन सम्पर्क निरन्तर चलता रहेगा। जनता के निर्णय का मैं सम्मान करता हूँ।इन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र के लोगो की कोई समस्या आती है तो हम हर सम्भव निस्तारण करने का प्रयास करूंगा। आगे उन्होंने कहा कि जनता के लिए मेरा हमेशा दरवाजा खुला है ।मै जनता के सेवक हूँ ।हमारी पहली प्राथमिकता है जनता को सेवा करना है ।मै अपने क्षेत्र के विकास करने का भरपूर प्रयास करूंगा ।अपने क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने का काम करूंगा।

नलजल का टंकी दो माह बाद ही हुआ ब्लास्ट

– लोगो ने कहा नलजल में हुआ है घटिया काम

अमिट रेखा–संतोष पाठक

कुचायकोट – गोपालगंज । बिहार सरकार के महत्वाकांक्षी योजना नलजल में आये दिन अनियमितता सामने आ रहीं है। साथ ही सरकार के लाखों रुपये का बंदरबाट किया जा रहा है। ताजा मामला बरौली प्रखण्ड के सरेय नरेंद्र पंचायत के वार्ड नम्बर 4 नेवरी का है। जहाँ नल जल की टंकी अचानक ब्लास्ट हो गई। वहीं आनन फानन में मुखिया और वार्ड कमिश्नर ने क्षतिग्र्त टंकी को हटा कर तत्काल नया टंकी लगाया। जबकि ग्रामीण टंकी ब्लास्ट होते ही नलजल योजना में कराए गए कार्यो पर सवाल उठाने लगे। बताया जाता है की बरौली प्रखण्ड के सरेय नरेंद्र पंचायत के वार्ड नम्बर 4 नेवरी में दो माह पूर्व नलजल योजना के तहत लोगो के घर घर पानी पहुंचाइ गई थी। लेकिन दो माह के बाद ही नलजल योजना के तहत लगाए गए टंकी ब्लास्ट हो गयी। टंकी ब्लास्ट करते ही लोगो के घरों में पानी की सप्लाई बन्द हो गई। वही स्थानीय लोगो ने बताया कि नलजल योजना में घोर अनियमितता हुई है। घटिया क्वालिटी की टंकी लगा दी गई है और सारा पैसा हजम कर लिया गया है। हालाकि लोगो के आक्रोश को देखते हुए मुखिया द्वारा तत्तकाल टंकी बदल कर नई टंकी लगा दी गई है। वहीं जब हमारे संवादाता ने मुखिया मुमताज बेगम और उनके प्रतिनिधि आफताब आलम से संपर्क करने की कोशिश की तो पहले तो उन्होंने कुछ भी बताने से इनकार किया यहाँ तक की उन्होंने तो टंकी ब्लास्ट होने की घटना से ही इकार कर दिया। वही जब हमने बीडीओ विनोद कुमार से संपर्क की तो उन्होंने बताया की घटना की सुचना मिली है। जांच की जा रही है। किन कारणों से टंकी बलास्ट हुई है जल्द ही पता कर लिया जाएगा और दोषियों के खिलाफ उचित कारवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक तथा सम्पादक अमरनाथ पाण्डेय द्वारा अमिट प्रिन्टर्स कालेज रोड फाजिलनगर से मुद्रित ग्राम बरदहा पाण्डेय फाजिलनगर कुशीनगर से प्रकाशित।

सम्पादक
अमरनाथ पाण्डेय
मो. – 9532989009

उप सम्पादक – के.के. राय
सह. सम्पादक- चन्द्रशेखर यादव
प्रदेश प्रभारी- राजू प्रसाद श्रीवास्तव
मो०- 9792617070
विज्ञापन व्यवस्थापक- नसरूल्लाह अंसारी
प्रबंधक- निखिल कुशवाहा
ईमेल : amitrekhaksn@gmail.com